हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 18 जून 2025 | अंक 243/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

विमान सुरक्षा पर ध्यान दें, उड़ान संचालन को सख्त करें

डीजीसीए ने एयर इंडिया के सीईओ को दिये कड़े निर्देश

डीजीसीए ने एयर इंडिया से खासतौर पर विमान सुरक्षा और मेंटेनेंस पर पूरा ध्यान केंद्रित करने को कहा है. नियामक ने कहा है कि किसी भी तकनीकी खामी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और हर विमान को उड़ान से पहले कड़े सुरक्षा मानकों पर खरा उतरना चाहिए. उड़ानों के संचालन को और अधिक अनुशासित बनाने का निर्देश दिया गया है.

डीजीसीए ने कहा कि समय पर उड़ानों का संचालन एयरलाइन की साख और यात्रियों के भरोसे के लिए अनिवार्य है. देर से उड़ानों और कैंसिलेशन की स्थिति में यात्रियों को हो रही असुविधा को गंभीरता से लिया गया है. नियामक ने एअर इंडिया को कहा है कि ऐसी स्थिति में यात्रियों को स्पष्ट जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जाए. डीजीसीए ने एयर इंडिया से क्राइसिस कम्युनिकेशन (संकट संवाद) प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की बात कही है. यानी किसी भी इमरजेंसी या देरी की स्थिति में यात्रियों को तुरंत सूचना और सहयोग देना अनिवार्य किया जाए.

13 जून को डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) ने एक विशेष आदेश जारी किया था, जिसमें एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों को उड़ान से पहले एन्हांस्ड सेफ्टी इंस्पेक्शन यानी उन्नत सुरक्षा जांच से गुजरना अनिवार्य किया गया. यह आदेश अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद जारी किया गया. इस सुरक्षा जांच में विमान को उड़ान से पहले छह अलग-अलग चरणों में जांचा जाता है, जिसमें फ्यूल पैरामीटर मॉनिटरिंग, कैबिन एअर कंप्रेसर सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक इंजन कंट्रोल टेस्ट, इंजन फ्यूल एक्टुएटर ऑपरेशन, ऑयल सिस्टम और हाइड्रोलिक सिस्टम की सेवा जांच शामिल है. इसके साथ ही टेकऑफ से पहले के पैरामीटर्स की समुचित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए.

प्लेन क्रैश में गई 270 लोगों की जान

बता दें कि अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर हुआ प्लेन क्रैश बोइंग कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान से जुड़ी सबसे भयावह दुर्घटनाओं में से एक है. अमेरिकी विमान निर्माता बोइंग का यह सबसे आधुनिक वाइडबॉडी एयरलाइनर है. एयर इंडिया का यह विमान सिर्फ 12 साल पुराना था और दुर्घटना से कुछ घंटे पहले ही दिल्ली से यात्रियों को लेकर अहमदाबाद पहुंचा था. इसमें 242 लोग सवार थे. अहमदाबाद एयरपोर्ट के रनवे नंबर 23 से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद, यह तेजी से नीचे की ओर गिरने लगा और एक रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विशाल आग के गोले में तब्दील हो गया. इस हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई. इनमें उस इमारत में मौजूद लोग भी शामिल हैं, जिससे ये विमान टकराया.

विशेष बैठक में खास मुद्दों पर मंथन हुआ?

इस विशेष बैठक में एयर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाया गया था. डीजीसीए ने स्पष्ट किया कि एआई 171 फ्लाइट हादसे के बाद यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है. यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी उड़ान से पहले सभी तकनीकी परीक्षण समयबद्ध और प्रमाणिक तरीके से किए जाएं. डीजीसीए की ओर से कहा गया कि फ्लाइट डिले या तकनीकी खराबी जैसी स्थिति में यात्रियों को एयरलाइन की तरफ से मिलने वाली जानकारी, सुविधाएं और सेवा मानकों को दुरुस्त किया जाए.

गांधीनगर.

अहमदाबाद में लंदन जा रही फ्लाइट एइ 171 के क्रैश होने के बाद देश की विमानन नियामक संस्था डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के शीर्ष प्रबंधन के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की. इस बैठक में डीजीसीए ने एअर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन से सीधे बात की और कंपनी के संचालन से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर फोकस करने के निर्देश दिए.

राजा रघुवंशी की हत्या में इस्तेमाल दूसरा हथियार भी बरामद

इंदौर.

राजा रघुवंशी की हत्या में इस्तेमाल किया गया दूसरा हथियार (दाव) बरामद. रिकंस्ट्रक्शन के दौरान आरोपियों में बताया था कि उसे खाई में फेंक दिया है. पुलिस के साथ एक एसडीआरएफ की सर्च टीम भी गई थी. आरोपियों की बताई गई लोकेशन पर मेटल डिटेक्टर से किया गया रहा था सर्च. इस दौरान हथियार हुआ बरामद. राजा की हत्या में दो हथियार इस्तेमाल किए गए थे. पहला हथियार 2 जून को ही बरामद हो गया था. इसके अलावा पुलिस की एक टीम इंदौर में मौजूद है. सोनम फरारी के दौरान जिस फ्लैट में रुकी थी उस फ्लैट की तलाशी ली गई वहां कुछ बरामद नहीं हुआ. अभी टीम वही रहेगी और सोनम और बाकी आरोपियों के परिवार से पूछताछ करेगी.

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 67 नए मामले सामने आए, दो मौतें

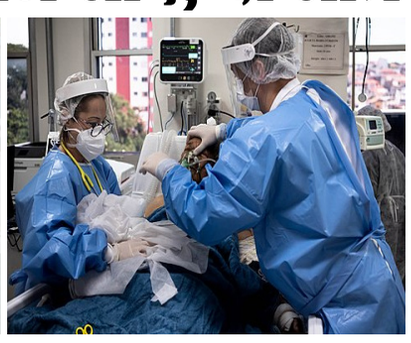

मुंबई.

महाराष्ट्र में कोरोनावायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है. शनिवार को महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 67 नए मामले सामने आए, जिससे इस साल सामने आए कुल मामलों की संख्या 1,967 हो गई. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक दो कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो गई. इसके बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई. एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इन नए मामलों में से 24 मुंबई में, 11 पुणे शहर में, पांच ठाणे में, तीन पिंपरी चिंचवाड़ (पुणे के पास), सांगली शहर, जिले के ग्रामीण हिस्सों, नागपुर शहर और पुणे जिले में दो-दो और नवी मुंबई टाउनशिप और रायगढ़ जिले में एक-एक मामला सामने आया. इसमें कहा गया है कि शुक्रवार को दो मौतें हुई हैं, जिससे इस वर्ष राज्य में कुल मृत्यु संख्या 27 हो गई है. मृतकों में से 26 अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे. एक जनवरी से महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के लिए 21,067 सैंपल की जांच की गई है. विभाग ने बताया कि मुंबई में जनवरी से अब तक कुल मरीजों की संख्या 829 हो गई है, जिनमें से सबसे अधिक 823 मामले अकेले मई में दर्ज किए गए. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 269 नए मामले सामने आए. सबसे ज्यादा कर्नाटक में 132 केस दर्ज किए गए. उसके अलावा गुजरात में 79 लोग कोविड से संक्रमित हुए हैं. केरल में 54, मध्य प्रदेश में 20, तमिलनाडु में 12, सिक्किम में 11, हरियाणा में 9, छत्तीसगढ़ में 8, राजस्थान में 7, असम में 6, बिहार में 5, मणिपुर में 3, ओडिशा-त्रिपुरा और गोवा में दो-दो, झारखंड और उत्तराखंड में एक-एक कोविड केस मिला. राजस्थान में 70 साल की एक बुजुर्ग महिला की संक्रमण के चलते मौत हुई, जबकि तमिलनाडु में 73 वर्षीय एक बुजुर्ग, जो पहले से कई बीमारियों से जूझ रहे थे, उन्होंने दम तोड़ दिया.

अहमदाबाद क्रैश में अब तक 124 शव परिजनों को सौंपे गए

गांधीनगर. अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक राकेश जोशी ने मंगलवार को बताया कि शाम 5:45 बजे तक लंदन जाने वाले एयर इंडिया विमान दुर्घटना में कुल 163 डीएनए नमूनों का मिलान किया गया है, जिसमें 124 पीड़ितों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जोशी ने गिनती का विस्तृत विवरण दिया, जिसमें बताया गया कि मिलान किए गए 163 पीड़ितों में से शेष 39 में से 21 मृतकों के शव बुधवार सुबह तक उनके परिवारों को सौंप दिए जाएंगे और दो मृतकों के शव सौंपे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि 12 से अधिक परिवार परिणामों की प्रतीक्षा कर रहे थे, और कुछ कानूनी मुद्दों के कारण चार शवों को सौंपना रोक दिया गया है। जोशी ने कहा, "आज शाम 5.45 बजे तक 163 डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है। जिसके बाद 124 मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं... शेष 39 में से 21 मृतकों के शव सुबह तक उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दो मृतकों के शव सौंपे जाने की प्रक्रिया चल रही है। 12 परिवार नतीजों का इंतजार कर रहे हैं... चार शवों को सौंपने का काम कुछ कानूनी मुद्दों के कारण रोक दिया गया है।" उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटना के दिन 71 घायल व्यक्तियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 42 को बाद में छुट्टी दे दी गई और वर्तमान में नौ मरीज भर्ती हैं, जबकि दो ने भर्ती होने के बाद दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा, "दुर्घटना के दिन 71 घायल व्यक्तियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभी तक नौ मरीज भर्ती हैं। भर्ती होने के बाद दो लोगों की मौत हो गई।" इस बीच, अहमदाबाद नगर पालिकाओं के क्षेत्रीय आयुक्त प्रशांत जिलोवा ने डीएनए सैंपलिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया कि पांच से छह माइक्रोबायोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य टीम के सदस्यों के साथ पांच टेबल लगाए गए थे, जिन्हें डीएनए सैंपल एकत्र करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने घटना के दिन बड़ी भीड़ और घबराहट की स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिसके कारण प्रभावित व्यक्तियों की सहायता के लिए आठ से दस मनोचिकित्सकों के साथ एक परामर्श केंद्र की स्थापना की गई। उन्होंने कहा, "सभी रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों के लिए डीएनए सैंपलिंग की व्यवस्था की गई थी।

बम की धमकी

इंडिगो विमान की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

नागपुर.

केरल के कोच्चि से दिल्ली आ रही इंडिगो के विमान की नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी है। विमान को बम की धमकी मिलने के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया। विमान सुरक्षित तरीके से लैंड कर गया है। यात्रियों को विमान से उतारकर जांच की जा रही है। फिलहाल विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जानकारी के मुताबिक, विमान 6ई-2706 कोच्चि से सुबह 9.11 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। इसका दिल्ली में लैंड करने का समय दोपहर 12.35 बजे था। इस बीच दो घंटे 43 मिनट हवा में रहने के बाद विमान को सुबह 11.54 बजे नागपुर में उतारा गया। कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) ने बताया कि मंगलवार को मस्कट से यहां पहुंचे और दिल्ली के लिए रवाना हुए इंडिगो के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इंडिगो के विमान के बारे में उसके आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी मिली थी, जो 157 यात्रियों और छह चालक दल के सदस्यों के साथ सुबह 9.31 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ था। इसके बाद बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) बुलाई गई और धमकी को विशिष्ट घोषित किया गया। इस सूचना को तुरंत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया गया, जिसके बाद विमान की नागपुर हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। अभी विमान की जांच की जा रही है। सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद विमान दिल्ली के लिए रवाना होगा।' इंडिगो प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा कारणों से मस्कट से कोच्चि जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई1272 को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान 17 जून को कोच्चि से दिल्ली के लिए 6ई-2706 के रूप में अपना अगला सेक्टर संचालित कर रहा था। हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमें मस्कट से कोच्चि जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई1272 में उस वक्त सुरक्षा संबंधी कारणों का सामना करना पड़ा, जब यह 17 जून को कोच्चि से दिल्ली के लिए 6ई2706 के रूप में संचालित हो रहा था। प्रोटोकॉल का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और विमान को नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट सुरक्षित रूप से डॉ. बाबासाहब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, नागपुर पर उतरी और सभी यात्रियों को उतार दिया गया।

अखिलेश ने जनगणना पर उठाए सवाल

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जनगणना के आंकड़ों को लेकर दी गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है. बीजेपी नेता ने दावा किया है कि अखिलेश, पिछड़े वर्ग के लोगों को गुमराह कर रहे हैं. पाल ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का फैसला ऐतिहासिक है, स्वागत योग्य है. केंद्रीय गृह मंत्री ने न केवल जनगणना की घोषणा की बल्कि पूरा शेड्यूल भी दिया कि यह जनगणना कैसे होगी. ये आंकड़े हर घर से एकत्र किए जाएंगे. देश के 34 लाख कर्मचारी, अधिकारी ये काम करेंगे. जब इसको लेकर अधिसूचना जारी हो गई है, प्रक्रिया शुरू हो गई है, तो कांग्रेस को लगता है कि उनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा.

संघर्ष के पांचवें दिन इजराइल और ईरान के बीच व्यापारिक हमले

तेहरान.

पिछले पांच दिनों से ईरान और इजरायल के बीच जंग छिड़ी हुई है, जो थमने का नाम नहीं ले रही है. 2300 किलोमीटर की दूरी के बावजूद दोनों देश एक-दूसरे पर बारूद की बारिश कर रहे हैं. इजरायल ने ईरान के तेल के कुओं को तबाह कर दिया है, वहीं ईरान की मिसाइलों ने इजरायल के बंदरगाहों को खंडहर में बदल दिया है. ईरान के परमाणु ठिकानों पर इजरायल के हमलों ने भारी तबाही मचाई है, जबकि इजरायल की बस्तियां भी ईरानी हमलों से बर्बाद हो रही हैं. इस जंग में न तो इजरायल पीछे हट रहा है और न ही ईरान झुकने को तैयार है. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ऐलान किया है कि जंग तब तक जारी रहेगी, जब तक तीन मकसद पूरे नहीं हो जाते. पहला, ईरान के परमाणु ठिकानों का विनाश. दूसरा, ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों की ताकत को खत्म करना. तीसरा, आतंक की धुरी को नेस्तनाबूद करना. नेतन्याहू ने कहा, "तीन अहम नतीजे हमें चाहिए. परमाणु कार्यक्रम का विनाश, बैलिस्टिक मिसाइलों की उत्पादन क्षमता का

विनाश और आतंक की धुरी का विनाश. हम उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जो भी जरूरी होगा उसे करेंगे." इजरायल का दावा है कि उसने पांच दिनों में ईरान के परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया है. सैकड़ों मिसाइल लॉन्चर्स को नष्ट किया है. ईरान के आधे से अधिक ड्रोन और यूएवी को खाक में मिला दिया है. दूसरी ओर, ईरान ने भी पलटवार की पूरी ताकत दिखाई है. ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से फोन पर बातचीत में चेतावनी दी कि यदि अमेरिका ने इजरायली हमलों पर लगाम नहीं लगाई, तो ईरान का अगला जवाब बेहद दर्दनाक होगा. ईरान की रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने दावा किया कि इजरायल को इस जंग में हार का सामना करना पड़ेगा. ईरान न तो हथियार डालने को तैयार है और न ही अमेरिका की शर्तों पर डील करने को राजी है. इजरायल ने इस जंग में कई चरणों में रणनीति अपनाई है. सबसे पहले उसने ईरान के रडार और हवाई रक्षा प्रणालियों को निष्क्रिय किया. इजरायल के फाइटर जेट ईरान के आसमान में मंडरा रहे हैं, जिससे ईरान की जंग लड़ने की ताकत हर दिन कमजोर पड़ रही है. इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, "हम ईरान में न्यूक्लियर हथियार नहीं देखना चाहते." इजरायल का मकसद ईरान की परमाणु क्षमता को पूरी तरह खत्म करना है, लेकिन सवाल यह है कि ईरान कब तक इस युद्ध में टिक पाएगा?

इजराइल ने कैसे अंजाम तक पहुंचाया ऑपरेशन राइजिंग लायन

अमेरिका और ईरान में परमाणु कार्यक्रम को लेकर छठें दौर की वार्ता 15 जून को होनी थी, उसी से दो दिन पहले ही नेतन्याहू ने इस हमले को अनुमति दे दी. ऐसा बताया जा रहा है कि ट्रंप को भी इसकी जानकारी दी गई थी. मोसाद पिछले तीन साल से इसके लिए काम कर रहा था. जब अक्तूबर में इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक की तो उसके एयर डिफेंस में कमजोरी की बात सामने आई. इसके बाद इजराइल ने मिशन को और तेज किया और ईरान में ड्रोन की घुसपैठ कराई.

मोसाद ने मिसाइल लॉन्चर भी नष्ट किए

मोसाद ने मिसाइल लॉन्चर वाहनों को भी निशाना बनाया. ईरानी पुलिस प्रमुख जनरल अहमदरेज़ा रादान ने बताया कि ईरान में कई जगह से इजराइल के ड्रोन लदे वाहन बरामद हुए हैं. यह ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करने के लिए किया गया था.

मोसाद का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड

मोसाद इससे पहले भी ईरान में कई गुप्त ऑपरेशन चला चुका है, सन् 2000 में उसने Stuxnet वायरस के ज़रिए ईरानी परमाणु संयंत्रों को नुकसान पहुंचाया था. 2018 में परमाणु अनुसंधान का रिकॉर्ड चुराए और जुलाई 2024 में हमास नेता इस्माइल हनिया को तेहरान में मार गिराया. इजराइली रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल अमीर अवीवी कहते हैं कि इतना बड़ा हमला करने के लिए वर्षों की तैयारी जरूरी थी, इजराइल इस में जुटा था.

ऐआई से टारगेट चुने

मोसाद ने टारगेट चुनने के लिए एआई की मदद ली. डेटा प्रोसेस कर तय किया कि कौन से लक्ष्य इजराइल के लिए खतरा हैं. इस प्रक्रिया में ईरान के कई जनरलों और वैज्ञानिकों दिनभर के कामकाज के आधार पर ये तय किया गया कि इस वक्त वे कहां होंगे. हमले में जनरल हुसैन सलामी (रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख), जनरल मोहम्मद बाघेरी (ईरानी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ), और मिसाइल कार्यक्रम प्रमुख सहित कम से कम 8 वरिष्ठ अधिकारी मारे गए. इनमें से कुछ तो बंकर मे थे, जहां तक पहुंचकर इजराइल ने उन्हें मार दिया.

सब्जी और तेल से ज्यादा

चॉकलेट पर खर्च कर रहा है इंडिया

नई दिल्ली.

देश के लोगों ने साल 2023-24 में सब्जी, तेल वसा से ज्यादा चॉकलेट पर खर्च किया है. जी हां. हाल ही में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट आई है, जिसमें आकड़े एकदम चौंकाने वाले हैं. साल 2023-24 में देश की आम जनता ने किस चीज पर ज्यादा खर्च किया इसको लेकर आई सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक, लोग सब्जी और तेल ज्याजा चीनी, जेम और चॉकलेट पर खर्च कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में देश को लोगों ने जहां तेल वसा पर 2.45 लाख करोड़ रुपये और सब्जी पर 5.95 लाख करोड़ रुपये खर्च किए है.

वहीं, इसी दौरान चीनी, जेम, चॉकलेट खरीदने में लोगों ने 6.60 लाख करोड़ खर्च कर दिए. चॉकलेट की खरीदारी पिछले साल, 2022-23 के मुकाबले बढ़ी है. जहां 2022-23 में आंकड़ा 5.51 लाख करोड़ रुपये था. वह साल 2024 में चीनी, जेम और चॉकलेट पर खर्च 19.67 प्रतिशत बढ़ गया है. हालिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023-24 में देशवासियों ने अपनी आय का बड़ा हिस्सा कपड़ों की तुलना में शराब पर अधिक खर्च किया.

आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में कपड़ों पर खर्च 7.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल (2022-23) के 7.60 लाख करोड़ रुपये से कम है. दूसरी ओर, शराब (एल्कोहल ड्रिंक्स) पर खर्च 26% बढ़कर 0.95 लाख करोड़ रुपये से 1.20 लाख करोड़ रुपये हो गया.

उपभोक्ता खर्च में बढ़ोत्तरी

❑ रिपोर्ट बताती है कि लोगों ने 2023-24 में अनाज, दाल, दूध, अंडे, चीज, फल और सब्जियों जैसे जरूरी सामानों पर खर्च बढ़ाया. इसके अलावा, चॉकलेट, चीनी और जैम जैसी वस्तुओं पर खर्च में 19.78% की बढ़ोतरी हुई है. इसके साथ ही स्वास्थ्य पर खर्च भी 18.75% बढ़ा है. कुल उपभोक्ता खर्च 9.72% बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया. हालांकि, कुछ आंकड़े चौंकाने वाले हैं. तेल और वसा पर खर्च में 19.67% की कमी आई, जबकि बीमा प्रीमियम पर खर्च 3.39% घटा. इंटरनेट और संचार पर खर्च में 8% की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन मनोरंजन पर खर्च 1.38% कम हुआ.

सुर्खियों में है अडानी का हाइफा पोर्ट?

नई दिल्ली.

ईरान-इजराइल वॉर के बीच में गौतन अडानी की चर्चा होने लगी है. जंग के बीच में ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागीं. ऐसी खबरें आईं कि ईरान ने अडानी ग्रुप के हाइफा फोर्ट को भी नुकसान पहुंचाया है. जिसके बाद से पोर्ट और अडानी की चर्चाएं शुरू हो गईं. हालांकि, ग्रुप ने पोर्ट को नुकसान से इनकार किया है. अडानी ने इस पोर्ट पर करीब 1.2 बिलियन डॉलर का निवेश किया है. लेकिन क्या आपको पता है कि इसकी रणनीतिक अहमियत केवल बिजनेस तक सीमित नहीं है. यह भारत के महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे और इजराइल की आर्थिक-रक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है. आइए आपको डिटेल में बताते हैं कि हाइफा पोर्ट के मायने असल में क्या हैं. हाइफा पोर्ट का इतिहास 20वीं सदी की शुरुआत से जुड़ा है, जब 1920 में ब्रिटिश शासन के दौरान इसका निर्माण शुरू हुआ और 1933 में इसे औपचारिक तौर से खोला गया. ब्रिटिश मैंडेट और इजराइल के प्रारंभिक वर्षों में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. आज यह पोर्ट इजराइल के आर्थिक और सैन्य तंत्र का केंद्र है. पास में स्थित बजान रिफाइनरी, औद्योगिक निर्यात और नौसैनिक गतिविधियों के लिए इसकी दोहरी भूमिका इसे और महत्वपूर्ण बनाती है. युद्ध के समय इसकी सुरक्षा और संचालन पर उठने वाले सवाल निवेशकों के लिए जोखिम को बढ़ाते हैं. हाइफा पोर्ट के अलावा, अडानी समूह की इजराइल के डिफेंस सेक्टर में भी मौजूदगी है. 2018 में अडानी एंटरप्राइजेज ने एल्बिट सिस्टम्स के साथ मिलकर हैदराबाद में हर्मीस 900 ड्रोन बनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम शुरू किया. ये ड्रोन इजराइल रक्षा बलों की ओर से यूज किए जाते हैं. एल्बिट सिस्टम्स की 2022 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की आय का 90% रक्षा क्षेत्र से आता है, और यह दुनिया के शीर्ष 25 हथियार निर्माताओं में शामिल है. क्षेत्रीय संघर्ष के बढ़ने से ड्रोन की मांग बढ़ सकती है, लेकिन युद्धग्रस्त क्षेत्र में रक्षा साझेदारी भारतीय कंपनियों के लिए जटिल चुनौतियां पेश करती हैं.

खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में धमाल मचा रहा यह आईपीओ

नई दिल्ली. अगर आप भी आने वाले समय में किसी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग में दांव लगाने का सोच रहे हैं, तो यह आपके काम की खबर है क्योंकि अरिसिनफ्रा सोलूशन्स लिमिटेड 18 जून यानी कि कल अपना आईपीओ लेकर आ रहा है. कंपनी ने इसका प्राइस बैंकड 210 से 222 रुपये प्रति शेयर तय किया है. आइऱपीओ के जरिए कंपनी ने 499.60 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है. बीएसएफ और पर लिस्टिंग के लिए कंपनी शेयरों का बुक-बिल्ट इश्यू पेश कर रही है. अरिसिनफ्रा सोलूशन्स आईपीओ के लिए निवेशक आज 18 जून से 20 जून 2025 तक बोली लगा सकेंगे. इंवेस्टरगेन डॉट कॉम के मुताबिक, अरिसिनफ्रा सोलूशन्स लिमिटेड के शेयर आज ग्रे मार्केट में 25 रुपये के प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं. इसका लॉट साइज 67 शेयर प्रति लॉट है. आईपीओ में रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 14,070 रुपये का निवेश करना जरूरी है. वहीं, हाई नेटवर्थ और स्मॉल नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए मिनिमम निवेश 14 लॉट यानी कि 938 शेयरों का है, जिसकी कुल कीमत 2,08,236 रुपये होगी. वहीं, बिग नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए 68 लॉट यानी कि 4,556 शेयरों में निवेश करना होगा, जिसकी कुल कीमत 10,11,432 रुपये है.

प्री-पेमेंट से कम करें होम लोन की अवधि और ब्याज का बोझ

नई दिल्ली.

आज के ज़माने में अपना घर खरीदना किसी जंग जीतने से कम नहीं है. प्रॉपर्टी के दाम आसमान छू रहे हैं और आम आदमी का सपना बस सपना ही रह जाता है. ऐसे में होम लोन ने इस सपने को हकीकत में बदलने का रास्ता ज़रूर खोल दिया है. लोग बैंक से लोन लेकर अपने घर का सपना पूरा तो कर लेते हैं मगर ये लोन कोई छोटा-मोटा नहीं होता.

इसकी इएमआई और लंबी अवधि लोगों को सालों तक चैन से बैठने नहीं देती. हर महीने इएमआई भरते-भरते लोग थक जाते हैं और सोचते हैं कि काश! इस बोझ से जल्दी छुटकारा मिल जाए. अगर आप भी इस जाल में फंसे हैं और होम लोन को जल्द से जल्द निपटाना चाहते हैं तो हम आपके लिए कुछ ऐसे धांसू तरीके लाए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने लोन को तेज़ी से खत्म कर सकते हैं. होम लोन से जल्दी छुटकारा पाने का सबसे सीधा और आसान तरीका है प्री-पेमेंट. अब ये प्री-पेमेंट क्या है? मान लीजिए, आपके पास कुछ एक्स्ट्रा पैसे आए, जैसे बोनस, पुरानी एफडी टूटी, या फिर कोई इन्वेस्टमेंट से रिटर्न मिला. इन पैसों को आप अपने होम लोन की प्री-पेमेंट में डाल सकते हैं. ये राशि सीधे आपके लोन के मूलधन (प्रिंसिपल अमाउंट) में जाती है, जिससे न सिर्फ आपका ब्याज कम होता है, बल्कि लोन की अवधि भी छोटी हो सकती है.

आपने 50 लाख का होम लोन लिया है और हर महीने 50 हज़ार की इएमआई भर रहे हैं. अगर आप साल में एक बार 2-3 लाख की प्री-पेमेंट करते हैं, तो ये रकम आपके मूलधन को तेज़ी से घटाएगी.

नतीजा, आपका ब्याज कम होगा और लोन की अवधि भी 2-3 साल कम हो सकती है. लेकिन ध्यान रहे, कुछ बैंक प्री-पेमेंट पर थोड़ा चार्ज वसूलते हैं, तो पहले अपने बैंक से इसकी डिटेल्स चेक कर लें. आजकल आरबीआई के नियमों के मुताबिक फ्लोटिंग रेट वाले होम लोन पर प्री-पेमेंट पेनल्टी नहीं लगती, लेकिन फिर भी कन्फर्म करना ज़रूरी है. प्री-पेमेंट का एक और फायदा ये है कि ये आपको लचीलापन देता है. आपको हर महीने एक्स्ट्रा पैसे नहीं देने पड़ते, बल्कि जब आपके पास ज्यादा पैसे हों, तब आप प्री-पेमेंट कर सकते हैं.

100 और 200 रुपये के नोट पर बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. आरबीआई के फैसले का असर अब मार्केट में दिखना शुरू हो गया है. देश के 73 प्रतिशत एटीएम के एक कैसेट से 100-200 रुपये के नोट निकलना शुरू हो गए हैं. भारतीय रिजर्व बैंक ने आम लोगों की समस्याओं को सुनते हुए एटीएम से 100 और 200 रुपये नोटों की संख्या को बढ़ाने के लिए 30 सितंबर 2025 की गाइडलाइट दी थी, जिसमें कहा गया था कि इससे पहले देश के 75 प्रतिशत एटीएम से 100 और 200 रुपये के नोट निकलने चाहिए. आरबीआई के इस फैसले का असर दिखाई दे रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, सीएमएस इंफो सिस्टम्स के नकदी प्रबंधन के अध्यक्ष अनुश राघवन ने कहा कि उपभोक्ता व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा अभी भी नकदी में निहित है, ऐसे में गांव और कस्बों में खासतौर पर 100 और 200 रुपये के नोटों की उपलब्धता से दिन-प्रतिदिन की लेन-देन संबंधी जरूरतें सीधे तौर पर पूरी हो रही हैं. देश में 215,000 एटीएम में से 73,000 का संचालन करने वाली भारत की सबसे बड़ी नकदी प्रबंधन कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स के अनुसार, यह दिसंबर 2024 में 65 प्रतिशत से बढ़ोतरी को दर्शाता है.

भारत का सीडीएस या इजराइल का आर्मी चीफ

नई दिल्ली. मिडिल ईस्ट में इन दिनों धुआं-धुआं है. इजराइल और ईरान के बीच जंग छिड़ी हुई है. 13 जून 2025 को इजराइल ने अपने 200 फाइटर जेट्स से ईरान के परमाणु ठिकानों पर 330 बम बरसाए. जवाब में ईरान ने 100 से ज्यादा मिसाइलें और ड्रोन तेल अवीव पर दागे. इस हमले में ईरान के टॉप मिलिट्री कमांडर, जैसे आईआरजीसी चीफ हुसैन सलामी और आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, मारे गए. दूसरी तरफ, इजराइल की सेना, जिसे आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्स) कहते हैं, अपने नए चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जामिर के नेतृत्व में इस जंग को और तेज करने की तैयारी में है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस जंग के बीच इजराइल के आर्मी चीफ को कितनी सैलरी मिलती है? और भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ सीडीएस से उनकी तुलना कैसे की जा सकती है? 2020 में छपी इजराइली ब्रॉडशीट अखबार "द जेरूसलम पोस्ट" की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ को हर महीने 99,095 न्यू इजराइली शेकेल की सैलरी मिलती थी. अगर इसे आज के हिसाब से भारतीय रुपये में कन्वर्ट करें तो ये करीब 21.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठता है. सालाना हिसाब करें तो ये लगभग 2.55 करोड़ रुपये होता है. लेकिन ये सिर्फ बेसिक सैलरी की बात है. इजराइल में आर्मी चीफ को कई तरह के भत्ते और सुविधाएं भी मिलती हैं. मसलन, मुफ्त आवास, भोजन, हेल्थकेयर, और रिटायरमेंट के बाद मोटी पेंशन. 2020 में आईडीएफ के रिटायर्ड ऑफिसर्स की औसत पेंशन 20,000 (करीब 4.3 लाख रुपये) थी, जो इजराइल में सबसे ज्यादा पेंशन पाने वालों में शुमार है. इजराइल में औसत सैलरी 2020 में 11,580 एनआईएस (लगभग 2.49 लाख रुपये) थी. यानी, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ की सैलरी औसत इजराइली से 8.5 गुना ज्यादा थी. लेकिन आईडीएफ का तर्क है कि उनकी सर्विस यूनिक है. दिन-रात देश की सुरक्षा के लिए काम करना, हमास, हिजबुल्लाह, और अब ईरान जैसे दुश्मनों से लोहा लेना ये सब आसान नहीं. आईडीएफ का कहना है कि टॉप टैलेंट को सेना में रखने के लिए अच्छी सैलरी देना जरूरी है.

यूपीआई यूजर्स को मिला बड़ा तोहफा

नई दिल्ली.

भारत में डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने वित्तीय लेनदेन को आसान और तेज बनाकर लाखों लोगों का जीवन बदल दिया है। 16 जून से यूपीआई यूजर्स के लिए एक और खुशखबरी आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई ट्रांजेक्शन की प्रोसेसिंग स्पीड को और तेज करने का ऐलान किया है। अब यूपीआई पेमेंट्स का रिस्पॉन्स टाइम 30 सेकंड से घटाकर मात्र 15 सेकंड कर दिया गया है। यह बदलाव डिजिटल पेमेंट को और अधिक कुशल और विश्वसनीय बनाएगा। आइए, इस बदलाव के फायदों और इसका उपयोग कैसे करना है, इसे विस्तार से समझते हैं। एक सर्कुलर में सभी बैंकों और पेमेंट ऐप्स को निर्देश दिया था कि वे 16 जून 2025 से नए प्रोसेसिंग नियम लागू करें। इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य यूपीआई सिस्टम पर बढ़ते लोड को कम करना और ट्रांजेक्शन प्रक्रिया को तेज करना है। पहले, ट्रांजेक्शन स्टेटस चेक करने या पेमेंट प्रोसेस करने में 30 सेकंड तक का समय लग सकता था, लेकिन अब यह समय आधा हो गया है। इसका मतलब है कि अब आप गूगल पे, फोनपे, पेटीअम जैसे ऐप्स के जरिए पेमेंट और तेजी से कर पाएंगे। यूपीआई यूजर्स को क्या फायदा होगा? तेजी से लेनदेन 15 सेकंड में ट्रांजेक्शन पूरा होने से समय की बचत होगी। यह उन यूजर्स के लिए खासतौर पर फायदेमंद है जो दुकानों, रेस्तरां या ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान तुरंत पेमेंट करना चाहते हैं। कम ट्रांजेक्शन फेल्योर हाल के महीनों में यूपीआई सिस्टम पर भारी लोड के कारण कई बार ट्रांजेक्शन फेल होने की शिकायतें आई थीं। नया बदलाव सिस्टम की स्थिरता को बढ़ाएगा, जिससे फेल्ड ट्रांजेक्शन की संभावना कम होगी।

अडानी सीमेंट और क्रेडाई आए साथ

गुणवत्ता से भरी सीमेंट का लाभ उठाएगा पूरा देश

गोंदिया.

अडानी सीमेंट और क्रेडाई (कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन्स ऑफ इंडिया) ने भारत में सतत और उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष प्रेफर्ड पार्टनरशिप की है। यह समझौता गोवा के माननीय मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की उपस्थिति में गोवा की राजधानी पंजिम (पणजी) में आयोजित क्रेडाई गवर्निंग काउंसिल मीटिंग के दौरान हुआ। इस बैठक में क्रेडाई पदाधिकारी और देशभर के प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स शामिल हुए। यह रणनीतिक साझेदारी अदाणी सीमेंट और देश के निजी रियल एस्टेट डेवलपर्स की शीर्ष संस्था क्रेडाई को एक साथ लाती है, जिसका उद्देश्य दोनों संगठनों और व्यापक निर्माण उद्योग को लाभ पहुंचाना है। इस सहयोग के तहत, अडानी सीमेंट क्रेडाई के देशभर में फैले 13,000 से अधिक डेवलपर्स के नेटवर्क का उपयोग करके अपनी पहुंच को मज़बूत करने के लिए करेगा, जबकि क्रेडाई के सदस्य अदाणी सीमेंट के इंडस्ट्री-लीडिंग समाधानों का लाभ उठा सकेंगे। अडानी ग्रुप के सीमेंट बिज़नेस के सीईओ विनोद बहेटी ने कहा, "क्रेडाई के साथ हमारी विशेष साझेदारी, सस्टेनेबल और इनोवेटिव कंस्ट्रक्शन के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण के प्रति अडानी सीमेंट की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। क्रेडाई के साथ हाथ मिलाकर, हमारा उद्देश्य भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में विश्वस्तरीय सीमेंट प्रोडक्ट्स और ग्रीन कंक्रीट समाधानों को अपनाने की गति को तेज़ करना है। यह सहयोग हमारे उस विज़न के अनुरूप है जिसमें हम एक हरित, स्मार्ट और अधिक टिकाऊ शहरी भविष्य की कल्पना करते हैं, जहां अडानी सीमेंट की तकनीकी विशेषज्ञता और क्रेडाई का ज़मीनी अनुभव मिलकर मज़बूत, सुरक्षित और दीर्घकालिक संरचनाओं का निर्माण करें।

केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने रिन्युएबल एनर्जी में रखा नया कदम

मुंबई. देश की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर और इपीसी कंपनी केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड नामक एक पूर्ण स्वामित्ववाली सहायक कंपनी की स्थापना की है। यह नई इकाई सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो भारत में तेजी से बढ़ते रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करेगी। धरन इंफ्रा सोलर का गठन 13 जून 2025 को बोर्ड की बैठक में मंजूरी के बाद किया गया। यह कंपनी केबीसी की रीब्रांडिंग के तहत बनी धरन इंफ्रा इपीसी लिमिटेड की 100% स्वामित्व वाली इकाई होगी। धरन इंफ्रा सोलर न केवल सोलर पैनल, मॉड्यूल और सहायक उपकरणों के निर्माण और विकास में संलग्न होगी, बल्कि अनुसंधान, निर्यात-आयात, मरम्मत, संचालन और सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी आधारित हाइब्रिड सिस्टम के एंड-टू-एंड समाधान भी प्रदान करेगी। धरन इंफ्रा सोलर का गठन हमारे विविधीकरण और ग्रीन एनर्जी की दिशा में प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह केवल एक व्यावसायिक निर्णय नहीं बल्कि एक स्थायी भविष्य के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी है। केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने हाल ही में खुद को धरन इंफ्रा एपीसी लिमिटेड में रीब्रांड किया है, जिससे वह बुनियादी ढांचे और क्लीन एनर्जी दोनों क्षेत्रों में एक समेकित ब्रांड बन सके।

क्या 8वां वेतन आयोग भी दोहराएगा 7वें का रिकॉर्ड?

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार के 1.2 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी-पेंशनर 8वें वेतन आयोग की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। उन्हें संदेह है कि क्या 7वें वेतन आयोग की रफ्तार की तरह ही 8थ पे कमीशन लागू हो पाएगा।

नए वेतन आयोग की सिफारिशें के लागू होने का समय जनवरी 2026 तय है। लेकिन जानकार बताते हैं कि आयोग के गठन की घोषणा तो हो गई है पर कई जरूरी काम बचे हैं, जिनके होने के बाद ही समय सीमा का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऑल इंडिया अकाउंट्स कमेटी के महासचिव एचएस तिवारी की मानें तो पे कमीशन के इतिहास में 7वां वेतन आयोग ही ऐसा रहा है, जो तय किए गए समय में लागू हो पाया। हालांकि उसमें थोड़ा विलंब हुआ था, लेकिन यह इकलौता वेतन आयोग था, जिसने सबसे कम समय में अपनी सिफारिशें सरकार को भेज दी थीं।

तिवारी ने बताया कि 7th पे कमीशन में वेतन पुन:निर्धारण की महत्वपूर्ण धुरी कहे जाने वाले टर्म्स ऑफ़ रिफरेन्स पहले ही बन गया था। इसके बाद सरकार ने तय किया था कि आयोग को डेढ़ साल के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपनी है। 7वें वेतन आयोग ने किया भी वैसा ही। उसने समय सीमा पूरी होने से करीब दो महीना पहले ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। इसके बाद सरकार ने फौरी एक्शन लेते हुए इसे लागू कर दिया।

सूचना प्रौद्योगिकी ने काम को बनाया आसान

तिवारी ने यह भी कहा कि पहले सरकारी कामकाज मैनुअल होता था। लेकिन सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति के बाद आयोग के लिए रिपोर्ट तैयार करने का काम आसान हुआ है। ऐसे में लोगों से राय लेने के बाद रिपोर्ट फाइनल करने में समय थोड़ा कम लगता है। 8थ पे कमीशन को भी इसका फायदा मिलेगा।

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

पद्मीनी विकली लॉटरी

सोडत दर मंगळवारी • तिकीट किंमत रु. 50/- • सोडत क्र. 24 • सोडत दिनांक 17/06/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — PM-03 : 1246

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 1246 — महावीर लॉटरी सेंटर - कोल्हापूर, श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1735	2882	3420	3423	4225	6946
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1020	1146	2997	3208	4423	4442
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1241	1923	2194	3442	4773	5113
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1493	1676	3710	4819	5186	6178

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी) — सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1765	2213	2711	3238	3553	4057	4527	4990	5502	5751	6109	6643		
		1788	2217	2723	3248	3580	4068	4545	4991	5508	5752	6114	6645		
1010	1262	1801	2224	2747	3264	3583	4069	4560	4997	5514	5754	6115	6658		
1017	1281	1812	2251	2763	3272	3609	4082	4571	5005	5517	5756	6130	6659		
1041	1373	1813	2256	2768	3292	3622	4084	4590	5021	5521	5788	6161	6667		
1059	1376	1817	2267	2784	3308	3623	4094	4644	5044	5525	5797	6166	6686		
1065	1401	1831	2280	2788	3314	3636	4102	4646	5045	5526	5828	6186	6694		
1091	1414	1837	2283	2815	3319	3638	4165	4662	5050	5530	5850	6192	6697		
1092	1418	1856	2292	2823	3322	3646	4180	4672	5051	5532	5852	6213	6701		
1100	1422	1880	2294	2831	3338	3656	4185	4685	5052	5542	5853	6236	6705		
1108	1425	1901	2316	2840	3339	3683	4192	4693	5054	5551	5858	6250	6716		
1113	1427	1912	2328	2862	3345	3699	4218	4700	5059	5552	5859	6275	6729		
1114	1441	1913	2370	2864	3351	3703	4234	4714	5075	5557	5868	6278	6737		
1116	1454	1915	2375	2920	3354	3715	4281	4719	5089	5567	5879	6282	6746		
1118	1456	1945	2390	2926	3358	3733	4312	4724	5099	5577	5885	6287	6760		
1136	1496	1967	2405	2928	3364	3747	4315	4741	5153	5584	5888	6349	6761		
1143	1513	1971	2425	2967	3377	3786	4333	4744	5179	5589	5906	6357	6766		
1144	1515	1981	2426	2976	3381	3787	4336	4762	5192	5591	5919	6364	6767		
1153	1527	2008	2427	2987	3382	3793	4341	4773	5208	5595	5938	6371	6777		
1154	1589	2022	2430	3014	3386	3805	4384	4774	5227	5607	5947	6375	6788		
1155	1605	2045	2462	3017	3403	3833	4386	4786	5228	5615	5950	6426	6795		
1167	1607	2054	2466	3031	3406	3837	4407	4817	5270	5631	5952	6451	6806		
1173	1614	2063	2520	3034	3415	3838	4427	4827	5328	5636	5960	6468	6830		
1174	1616	2082	2522	3037	3431	3885	4443	4834	5347	5637	5966	6496	6866		
1180	1618	2103	2538	3048	3450	3888	4446	4838	5370	5638	5998	6519	6867		
1182	1628	2112	2539	3073	3454	3909	4448	4848	5383	5647	5999	6537	6868		
1186	1632	2113	2542	3080	3459	3919	4452	4857	5393	5657	6008	6541	6873		
1189	1633	2116	2562	3119	3461	3931	4454	4891	5397	5659	6018	6561	6889		
1192	1658	2141	2631	3120	3465	3941	4463	4895	5428	5674	6036	6564	6896		
1200	1671	2158	2635	3137	3469	3946	4464	4915	5437	5688	6044	6586	6906		
1201	1703	2164	2640	3139	3479	3968	4472	4919	5445	5693	6052	6609	6919		
1209	1716	2182	2658	3171	3494	3973	4473	4940	5454	5707	6061	6615	6920		
1219	1726	2186	2672	3183	3499	3997	4478	4946	5463	5710	6063	6621	6926		
1241	1733	2196	2677	3190	3535	4007	4484	4949	5470	5731	6066	6635	6955		
1249	1737	2199	2687	3197	3536	4043	4489	4968	5471	5735	6071	6636	6974		
1252	1741	2211	2709	3223	3545	4045	4516	4970	5477	5739	6102	6639	6981		

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 20/06/2025

जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिकीट किंमत 200/-

पद्मीनी — सोडत दिनांक 17/06/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagencymah : /princeagencypl : /princeagencymah

गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 24 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 17/06/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — MG-01 : 7838

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 7391

तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 1461 (किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली), 4545 (रुखमणी एन्टरप्रायझेस, औरंगाबाद), 4747 (श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई), 4800 (एच. के. ठक्कर - फोर्ट), 8055

चौथे बक्षिस रु. 400/- — चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

	1998	3093	4041	5104	5595	5958	7429	8061
1043	2018	3215	4044	5119	5625	6443	7548	8191
1165	2118	3236	4449	5136	5731	6562	7624	8360
1268	2161	3280	4498	5138	5752	6601	7671	8365
1351	2192	3388	4531	5255	5824	6638	7699	8488
1373	2226	3552	4715	5346	5858	6868	7811	8656
1473	2249	3633	4796	5503	5865	6946	7847	8836
1689	2252	3863	4939	5584	5894	7059	7900	8840
1911	2629	4040	4983	5588	5910	7375	8007	8975

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 24/06/2025

जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 14 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. — दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) — तिकिट किंमत ₹20/-

गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 17/06/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबावदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता: महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र सह्याद्री — महालक्ष्मी विकली लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 24 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 17/06/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — SM-02 : 1460

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 1891

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 1750, 1812, 4975 (महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर)

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1071	1850	2882	4087	5057
1103	1870	3028	4353	5216
1104	2025	3117	4448	5431
1107	2214	3298	4584	5474
1127	2267	3682	4784	5600
1140	2523	3714	4894	5635
1157	2582	3838	4941	5723
1808	2651	4013	4978	5895

महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 20/06/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — ₹10 लाख — ₹5 लाख

महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 17/06/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 24 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 17/06/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	5485	0908	2975	3362	8286

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 0847, 9036

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 0368, 2906, 3572, 7841, 7861

चौथे बक्षिस रु. 1000/- — 0238, 3323, 3486, 3880, 4305, 5233, 7493, 8536, 8854, 8890

पाचवे बक्षिस रु. 500/- — 0224, 1286, 1522, 1666, 3546, 5934, 8611, 9109, 9335, 9542

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

	0719	1593	2239	3136	4309	5368	6196	7102	7977	8924
	0791	1640	2243	3163	4339	5375	6251	7135	7978	9080
0002	0805	1666	2268	3205	4344	5500	6374	7162	8183	9097
0021	0812	1683	2280	3226	4427	5521	6386	7257	8186	9134
0032	0834	1691	2314	3328	4448	5528	6396	7278	8197	9158
0083	0942	1717	2327	3336	4492	5536	6556	7347	8282	9182
0149	0943	1798	2390	3387	4494	5551	6558	7375	8291	9291
0170	1052	1799	2408	3477	4571	5586	6562	7376	8318	9305
0180	1109	1803	2459	3567	4614	5633	6619	7586	8484	9309
0211	1121	1916	2468	3778	4642	5674	6626	7669	8514	9408
0255	1184	1918	2528	3883	4752	5775	6645	7717	8521	9462
0334	1191	1976	2843	3936	4795	5846	6677	7751	8526	9495
0413	1196	2058	2902	3942	4804	5897	6687	7770	8568	9517
0416	1285	2120	3033	3973	4931	5905	6762	7776	8638	9625
0575	1370	2126	3049	4142	4984	5964	6816	7784	8687	9720
0586	1382	2193	3052	4144	5039	6016	6838	7787	8740	9872
0600	1466	2232	3081	4194	5079	6065	6968	7799	8834	9900
0639	1516	2235	3093	4211	5154	6139	6981	7835	8853	9990
0708	1571	2236	3123	4261	5233	6195	7011	7870	8865	9999

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 24/06/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 14 लाख — ₹ 2.5 लाख — तिकिट किंमत ₹20/-

महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगळ विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 17/06/2025

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

उद्धव ठाकरे की शिवसेना को बड़ा झटका

> पूर्व मंत्री घोलप समेत कई नेता बीजेपी में शामिल

मुंबई.

राज्य की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला है, जहां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को नासिक में बड़ा झटका लगा है. पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बबनराव घोलप ने बीजेपी का दामन थाम लिया है.

मंगलवार को नासिक स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में घोलप ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की. इस मौके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, मंत्री रविंद्र चव्हाण और कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन मौजूद रहे.

बबनराव घोलप के साथ-साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना के एक और बड़े नेता सुधाकर बडगुजर भी बीजेपी में शामिल हो रहे हैं. इसके अलावा नासिक के पूर्व मेयर अशोक मुर्तडक और नयना घोलप ने भी भाजपा की सदस्यता ली.

सुधाकर बडगुजर को कुछ दिन पहले ठाकरे गुट से निकाल दिया गया था, जिसके बाद अब उन्होंने भाजपा का झंडा थाम लिया है. भाजपा में शामिल होने से पहले सुधाकर बडगुजर ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया. उनके कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की. बड़गुर्जर के पार्टी में शामिल होने का स्थानीय भाजपा नेताओं ने विरोध किया, लेकिन बडगुजर ने इस विरोध को दरकिनार करते हुए भाजपा का झंडा थाम लिया.

सुधाकर बडगुजर को संजय राउत का विश्वासपात्र माना जाता था. उनका राजनीतिक करियर 2007 में शुरू हुआ था. वे नासिक नगर निगम में एक स्वतंत्र नगरसेवक के रूप में चुने गए थे. उस समय बडगुजर ने शिवसेना का समर्थन किया था.

उसके बाद 2008 में वे शिवसेना में शामिल हो गए. 2009 से 2012 तक वे नासिक नगर निगम के नेता रहे. साथ ही 2012 से 2015 तक बडगुजर नगर निगम में विपक्ष के नेता भी रहे.

बडगुजर 2014 और 2019 के विधानसभा चुनावों में वे नासिक पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से हार गए थे. उसके बाद उन्हें उपनेता नियुक्त किया गया था. बडगुजर कई आपराधिक मामलों में भी आरोपी हैं.

अब उन्होंने बीजेपी का दामन थाम लिया है.

यूबीटी को करारा झटका

यह घटनाक्रम आगामी स्थानीय और विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है, वहीं उद्धव ठाकरे गुट के लिए यह राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है. नासिक और उत्तर महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) की पकड़ कमजोर होने की आशंका जताई जा रही है. कहा जा रहा है कि इससे बीजेपी को न केवल नासिक नगर निगम बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी मजबूती मिल सकती है. वहीं शिवसेना (यूबीटी) के लिए यह आत्मचिंतन का समय है.

नासिक में एक और 'सोनम'

> पति के 3 टुकड़े कर छिपाए सेप्टिक टैंक में

नासिक.

नासिक में एक और 'सोनम'. महिला ने अपने पति की बेरहमी से हत्या की और शव के टुकड़े कर घर के शौचालय के सेप्टिक टैंक में छिपा दिया. इस रहस्य का खुलासा तब हुआ, जब घर से बदबू आने लगी. शिकायत के आधार पर आरोपी पत्नी प्रभा यशवंत ठाकरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. प्रभा ने पुलिस की पूछताछ के दौरान अपना जुर्म भी कुबूल कर लिया. हालांकि,अभी तक हत्या के पीछे की असली वजह का पता नहीं लग पाया है. मृतक की पहचान यशवंत ठाकरे के रूप में हुई.

दो महीने पहले महिला ने पति की हत्या की थी.इसके बाद वो गुजरात के बिल्लिमोरा चली गई. हालांकि, बेटे का फोन पर संपर्क नहीं हो पाया तो शक हुआ.बेटे की पत्नी उनके शक के दायरे में आ गई. पति के घरवालों ने पुलिस में गुमशुदगी की लिखिति शिकायत दी. इसके बाद जांच में पता चला कि हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि पत्नी ने ही की थी. प्रभा यह कहकर बात टाल देती थी कि यशवंत मजदूरी के लिए गुजरात चला गया है. पर माता-पिता को शक हुआ. परिवार ने देखा कि घर के आंगन में एक जगह गड्ढा खोदकर उसे गोबर और मिट्टी से ढका गया है. पूछे जाने पर प्रभा टालमटोल करती रही, जिससे प्रभा के ऊपर शक और गहरा हो गया. इसके बाद परिवार ने पुलिस थाने में शिकायत की.

दो दिन बीते और फिर एक चौंकाने वाली घटना हुई. यशवंत के भाई ने घर में खोजबीन की तो पुराने सेप्टिक टैंक से सड़ी-गली बदबू आ रही थी. वहां मच्छरों का जमावड़ा था. जब उसने टैंक की मिट्टी हटाई तो अंदर से कटा शव मिला. प्रभा से सख्ती से पूछताछ की तो जुर्म कबूल कर लिया. उसने पुलिस को बताया कि उसने ही कुल्हाड़ी से वार कर पति की हत्या की. उसने शव के गर्दन, धड़ और हाथ-पैर के तीन टुकड़े किए और फिर उन्हें एक बोरे में भरकर सेप्टिक टैंक में फेंक दिया. उससे बदबू न फैले, इसके लिए टैंक में केमिकल्स भी डाले.

रेलवे में फर्जी लेटरहेड और टिकट स्कैम

> चायवाले के खाते से 4 लाख बरामद

मुंबई.

मुंबई के मध्य रेलवे में फर्जी हस्ताक्षर और लेटरहेड के जरिए वीवीआईपी कोटे से टिकट कन्फर्म कराने के मामले में नया खुलासा हुआ है. जांच कर रही रेलवे पुलिस यानी कि जीआरपी को आरोपी चायवाले उर्फ रविंद्र साहू के बैंक अकाउंट से 4 लाख रुपये मिले हैं.

ये रकम उसने रेलवे के बड़े अधिकारियों के फर्जी लेटरहेड और स्टैम्प का इस्तेमाल कर टिकट बुकिंग के जरिये जमा की थी.सभी सूत्रों के अनुसार, साहू ने यह अकाउंट एक प्राइवेट बैंक में खोला था. फिलहाल जीआरपी ने उसका बैंक अकाउंट को फ्रिज कर दिया है और यह पता लगाने में जुटी है कि यह रकम किन अकाउंट्स से ट्रांसफर हुई थी. हैरानी की बात ये है कि आरोपी रेलवे कैंटीन में मामूली वेतन पर वेटर के तौर पर काम करता था, लेकिन पैसों के लालच में उसने यह अवैध रास्ता अपनाया.

जांच में सामने आया है कि रविंद्र साहू को रेलवे के इमरजेंसी कोटा विभाग के कुछ कर्मचारियों का समर्थन प्राप्त था. सूत्रों ने दावा किया है कि जीआरपी इन संभावित मिलीभगतों की जांच कर रही है.

इसी आधार पर मध्य रेलवे ने भी अपनी इंटर्नल जांच शुरू कर दी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि टिकट कन्फर्म कराने की यह गड़बड़ी कैसे अंजाम दी जा रही थी और किन कर्मचारियों की इसमें भूमिका रही.

इस मामले में जीआरपी ने स्लीपर टिकट विभाग के प्रमुख का बयान भी दर्ज कर लिया है. साथ ही जिन वरिष्ठ अधिकारियों के फर्जी लेटरहेड और सिग्नेचर का इस्तेमाल हुआ, उनके भी बयान लिए जा रहे हैं.

रेलवे सूत्रों का मानना है कि आने वाले दिनों में इस फर्जीवाड़े में कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं. यह मामला सिर्फ एक वेटर तक सीमित नहीं लगता, बल्कि इसमें भीतर तक फैले नेटवर्क की आशंका है

कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> कर्नाटक हाईकोर्ट को लगाई फटकार

मुंबई.

सुप्रीम कोर्ट ने कमल हासन की फिल्म 'ठग लाइफ' की कर्नाटक में रिलीज पर हो रहे विरोध को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि किसी भी भीड़ को यह हक नहीं है कि वह कानून अपने हाथ में लेकर किसी फिल्म की रिलीज को रोके। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश देते हुए कहा कि उसकी जिम्मेदारी है कि वह कानून और व्यवस्था बनाए रखे और अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा करे।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म को रिलीज होना ही चाहिए और थिएटर मालिकों को इस बात का डर नहीं होना चाहिए कि उनके सिनेमाघरों में हिंसा या आगजनी होगी। कोई फिल्म

देखना या न देखना पूरी तरह दर्शकों की इच्छा पर निर्भर करता है, लेकिन जब एक फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है, तो उसकी रिलीज में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए।

कर्नाटक हाईकोर्ट को फटकार: सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट में दाखिल याचिका को भी अपने पास ट्रांसफर कर लिया है और कर्नाटक सरकार को 18 जून तक जवाब देने का निर्देश दिया है। 19 जून को अगली सुनवाई निर्धारित है। वहीं, कोर्ट ने 'कर्नाटक के लोगों की भावना आहत करने के लिए' कमल हासन को माफी मांगने का निर्देश देने पर हाईकोर्ट को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा, "ये हाईकोर्ट का काम नहीं है कि वो किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का आदेश दे।"

सरकारी फ्लैट घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग

> आईपीएस अधिकारी के पति पर शिकंजा

मुंबई.

पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने आईपीएस अधिकारी रश्मि करंदीकर के पति पुरुषोत्तम चव्हाण के खिलाफ शिकंजा कस दिया है. धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग जांच का सामना कर रहे पुरुषोत्तम चव्हाण के बैंक खाते में 2.64 करोड़ रुपए मिले. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर इतने पैसे आईपीएस के पति के पास आए कहां से? ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया कि आईपीएस रश्मि करंदीकर ने शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग में पैसे लगाए, लेकिन वह डूब गए.

ईओडब्ल्यू ने इसी साल फरवरी में पुरुषोत्तम चव्हाण और 11 अन्य के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने मुंबई, ठाणे और पुणे में रियायती दरों पर सरकारी कोटे के फ्लैट उपलब्ध कराने के नाम पर 20 पीड़ितों से 24.78 करोड़ रुपए ठगे थे. पुरुषोत्तम चव्हाण ने कथित तौर पर भिवंडी, पुणे, पनवेल, सेवरी और यहां तक कि बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट (बीपीटी) के प्लॉटों में फ्लैट और सरकारी प्लॉट देने का वादा करके अपने प्रभाव का दुरुपयोग किया

इन मामलों के अलावा प्रवर्तन निदेशालय पुरुषोत्तम चव्हाण के खिलाफ 263 करोड़ रुपए के आयकर रिफंड धोखाधड़ी की अलग से जांच कर रहा है. ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी ने कहा, "पैसे आईपीएस रश्मि करंदीकर के खाते में ट्रांसफर किए गए थे और वापस नहीं किए गए. हमने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया है, ताकि वह स्पष्टीकरण दे सकें.

ईओडब्ल्यू ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या आईपीएस अधिकारी रश्मि करंदीकर ने अपनी संपत्ति के खुलासे में यह घोषणा की थी कि यह पैसा 2017 और 2018 के बीच 90 दिनों के भीतर उनके अकाउंट में आया है. हालांकि इस माामले में ईओडब्ल्यू ने आईपीएस रश्मि करंदीकर को आरोपी नहीं बनाया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, पति के बैंक खातों में आए इतने पैसों को लेकर जब आईपीएस पत्नी से फोन पर सवाल-जवाब किया गया तो उन्होंने जवाब दिया, "मैं मेडिकल छुट्टी पर हूं और बात करने की हालत में नहीं हूं.

प्रशासन का फैसला, तोड़े जाएंगे सभी जर्जर पुल

पुणे.

जिले के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बने पुल के रविवार को ढहने से बड़ा हादसा हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत जिले के सभी जर्जर और खतरनाक पुलों को जल्द से जल्द तोड़ा या हटाया जाएगा। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस हादसे में स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई चूक हुई या नहीं, इसकी जांच के लिए एक समिति गठित की जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, कुंदमाला इलाके में स्थित यह पुल 1993 में बना था और अब उपयोग के लायक नहीं था। हालांकि पुल पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे, लेकिन इन्हें नजरअंदाज कर रविवार को 100 से अधिक लोग उस पर चढ़ गए, जिससे यह हादसा हुआ।

पुणे जिलाधिकारी जितेंद्र डूडी ने बताया कि इस तरह के हादसों को रोकने के लिए अब केवल चेतावनी बोर्ड या बैरिकेड्स नहीं, बल्कि खतरनाक संरचनाओं को पूरी तरह हटाने का निर्णय लिया गया है। इनकी पहचान कर अंतिम सर्वेक्षण के बाद इन्हें तोड़ा जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि जिस पुल के ढहने से यह हादसा हुआ, उसके स्थान पर नया पुल बनाने की प्रक्रिया पहले से ही शुरू हो चुकी है। कुछ महीने पहले इसके लिए टेंडर जारी की गई थी और एक सप्ताह पहले कार्य आदेश भी जारी हुआ था।

इसका निर्माण जल्द ही शुरू हो जाएगा। सरकार दुर्घटनाओं के बाद ही जागती है, पीड़ितों को कुछ पैसे देती है और भूल जाती है। यह सिलसिला अब बंद होना चाहिए।

कांग्रेस प्रमुख सपकाल ने उठाए सवाल

इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पुल असुरक्षित था, तो उसे जनता के लिए खुला क्यों रखा गया। उन्होंने राज्य सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा,"मानसून में हजारों पर्यटक कुंदमाल आते हैं, यह जानते हुए भी पुल को बंद नहीं किया गया। इसलिए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला बनता है।"सपकाल ने यह भी कहा कि सरकार एक साल पहले नए पुल के लिए फंड मंजूर होने के बावजूद पुल निर्माण शुरू नहीं कर सकी।

अवसरवादियों के लिए एनसीपी में कोई जगह नहीं

पिंपरी चिंचवड़.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ गए लोगों को अवसरवादी करार देते हुए साफ कहा कि ऐसे लोगों को एनसीपी में जगह नहीं मिलेगी. पवार ने कहा कि 'हम सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं. लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम उन लोगों को साथ लेंगे जो भाजपा के साथ चले गए. जो अवसरवादी हैं, उनके साथ हम नहीं चल सकते हैं.' शरद पवार ने अपने संबोधन में गांधी, नेहरू, फुले, शाहू और अंबेडकर के विचारों को अपनाने वालों का स्वागत करने की बात कही. उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग इन मूल्यों और विचारधारा के साथ हैं. उन्हें पार्टी में पूरा सम्मान दिया जाएगा. इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी नगर निगम चुनावों के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया.पवार ने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि अगर कोई उनके विचारों के साथ जुड़कर पार्टी में आता है, तो वरिष्ठ नेता उनके योगदान पर विचार करेंगे. उन्होंने कहा कि 'चुनाव की चिंता मत करो. जो हमारे साथ आएगा और हमारे विचारों से जुड़ा रहेगा. उसे पूरा मौका मिलेगा. मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि नगर निगम चुनाव में आपको किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है.' पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने मंगलवार को कहा था कि 'प्रतिद्वंद्वी गुटों के फिर से एक साथ आने का कोई प्रस्ताव नहीं है.' जबकि राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने भी हाल में चर्चा का विषय रहे इस मुद्दे पर कोई बयान देने से परहेज किया था. शरद पवार की तरफ से 26 साल पहले बनाई गई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 2023 में दो धरों में बंट गई थी.

चार्लोट लेक में डूबे 3 पर्यटक

रायगढ़. राज्य के प्रसिद्ध हिल स्टेशन माथेरान में भी रविवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। जहां शाम करीब 4.30 बजे चार्लोट झील में तीन पर्यटक डूब गए। नवी मुंबई के कोपर खैराने से आए दस लोगों के समूह में से कुछ युवक झील में नहाने उतरे थे, जिनमें से तीन डूब गए। रायगढ़ एसपी अंचल दलाल ने बताया कि पांच घंटे के तलाशी अभियान के बाद डूबे तीनों किशोरों के शव बरामद कर लिए गए। मृतक किशोरों की पहचान सुमित चव्हान (16), आर्यन खोब्रागडे (19) और फिरोज शेख (19) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि समूह में से पांच लोग चार्लोट झील में तैरने उतरे। उनमें से एक गहराई में चले गया और डूबने लगा। जिसके बाद उसके चार दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से उनमें से दो दोस्त भी डूब गए, जबकि दो अन्य तैरकर किनारे आने में कामयाब रहे। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची सह्याद्री रेस्क्यू टीम, माथेरान पुलिस, नगरपालिका कर्मचारी और स्थानीय बचाव दल ने तलाशी अभियान चलाया। बता दें कि चार्लोट लेक का निर्माण माथेरान शहर की जलापूर्ति के लिए किया गया था और यहां तैराने पर सख्त पाबंदी है। इस संबंध में चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद कई पर्यटक इन निर्देशों को नजरअंदाज करते हुए पानी में उतर जाते हैं। लेकिन पर्यटकों को झील की गहराई का सही अंदाजा नहीं होता, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।

आज का राशिफल

मेष.आप अपने कुछ लंबित कार्यों को लेकर सुबह से ही व्यस्त रहेंगे, जिसकी वजह से भाग दौड़ भी करनी पड़ सकती है. कार्यक्षेत्र में आपको एक से अधिक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी.

वृषभ. आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे. लव लाइफ वाले लोग अपने लव पार्टनर के लिए कोई नया काम शुरू कर सकते हैं.

मिथुन. यदि आपका कोई संपत्ति संबंधी विवाद कानून में चल रहा है तो उसमें आपको जीत मिल सकती है और आप परिवार के किसी सदस्य की मदद भी आसानी से कर पाएंगे.

कर्क. जीवनसाथी के स्वास्थ्य में अचानक गिरावट के कारण चिंता रहेगी और आपको भाग दौड़ भी करनी पड़ सकती है. अगर आप किसी समारोह में शामिल हों.

सिंह. नौकरीपेशा जातकों के करियर में अच्छी उन्नति होगी और प्रमोशन की सूचना भी मिलेगी. जो लोग विदेश से आयात-निर्यात का कारोबार कर रहे हैं.

कन्या. आपके कुछ अनावश्यक खर्चे आपके लिए परेशानी ला सकते हैं. कार्यक्षेत्र में कुछ शत्रुओं की चालों को समझना होगा और अपनी चतुर बुद्धि से उन्हें परास्त करना होगा.

तुला . आप जिस क्षेत्र में काम करते हैं, आपको उसमें अच्छी तरक्की प्राप्त होगी और धन प्राप्ति के अन्य मार्ग भी बनेंगे.

वृश्चिक.आप अपने अटके कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेंगे. परिजनों के साथ बैठकर आप अपने मन की कोई इच्छा व्यक्त कर सकते हैं.

धनु. आपके कुछ खर्चे बढ़ेंगे, लेकिन आमदनी अच्छी होने से आप आज तनाव मुक्त रहेंगे. घर में वरिष्ठ सदस्यों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम की चर्चा कर सकते हैं.

मकर.आप निश्चित रूप से अपना और दूसरों का भी भला करेंगे. आज आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर अच्छा नाम कमाने का मौका मिलेगा।

कुंभ. किसी दोस्त से आपको कोई अच्छी बात सुनने को मिल सकती है. यदि आप कोई संपत्ति खरीदने जा रहे हैं तो उसके चल-अचल पहलुओं की स्वतंत्र रूप से जांच कर लें.

मीन. व्यापारियों को आज किसी ग्राहक या व्यापारिक पार्टी की वजह से मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है. वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बन रही है.

मजदूरों पर गिरी बिजली

>3 की मौत, दो की हालत गंभीर

जलगांव.

जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र में 1 जून से अब तक बारिश से संबंधित घटनाओं में 18 लोगों की जान गई और 65 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान छह मवेशियों के मारे जाने की भी खबर है।

चालीसगांव के तहसीलदार प्रशांत पाटिल ने कहा, "रविवार दोपहर 2 बजे चालीसगांव के पास तुंगानगर गांव में खेत में काम कर रहे लोगों पर आकाशीय बिजली गिरी। इस घटना में करीब पांच लोग घायल हो गए। ग्रामीण उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। लेकिन इनमें से तीन को डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया, जबकि दो पीड़ितों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

तहसीलदार ने बताया कि मृतकों की पहचान दशरथ पवार (24), लखन पवार (14), समाधान राठौड़ (9) के तौर पर हुई है। प्रशासन की तरफ से पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।

उधर, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक रिपोर्ट में बताया है कि एक जून से अब तक राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ये मौतें भारी बारिश के कारण सड़क दुर्घटना, पुल से गिरना, डूबना, बिजली गिरना और आग लगना जैसी विभिन्न घटनाओं से संबंधित है।

इस बीच सोमवार सुबह दक्षिण मुंबई के गिरगांव में मेट्रो निर्माण स्थल के पास बेस्ट की एक बस गड्ढे में फंस गई। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बताया जा रहा है कि यह घटना गिरगांव मेट्रो स्टेशन स्थल के पास ठाकुरद्वार में डॉ. बाबासाहेब जयकर मार्ग पर हुई जहां मुंबई मेट्रो लाइन-तीन पर काम जारी है।

भारी बारिश के बीच सड़क के आंशिक रूप से धंस जाने के कारण बस का पिछला हिस्सा गड्ढे में फंस गया। जिसके बाद बेस्ट बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना की जांच चल रही है।

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर
अलग-अलग प्रकार के फेशियल थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर मॅनीक्युर-पेडिक्युअर • स्कीन ट्रिटमेंट हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं।
अल्का व्हि. लाडे
9373108897 / 9373531205
प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob - 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 19 मे शिमला मनाली
• 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम
• 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन
• 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्रा
• 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान
संपर्क
आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
• STUDENTS • TEACHERS • HOUSEWIVES • JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईंडेलिटी बॉंड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

सफलता पहले से की गयी तैयारी पर निर्भर है
और बिना ऐसी तयारी के असफलता निश्चित है.

संपादकीय

क्रूर सरकार के शिकार

देश में और महाराष्ट्र में एक के बाद एक ऐसी दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे खुद को 'विकास पुरुष', 'जनता के तारनहार' आदि कहने वालों की हवा निकल गई है। दुर्घटनाएं हो रही हैं। उनमें लोग अपनी जान गवां रहे हैं, यह सरकार की निष्क्रियता है। महाराष्ट्र में तो बड़ी आपदा आई है। मावल तालुका के कुंडमाला में इंद्रायणी नदी पर बना एक लोहे का पुल ढह गया। कम से कम 35-40 पर्यटकों के इसमें बह जाने की खबर धक्कादायक है। पुल पुराना था। उस पर पर्यटकों की भीड़ थी। अधिक भार के कारण यह ढह गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसकी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री का दुख, चिंता और जांच के आदेश दिखावा हैं। वे मगरमच्छ के आंसू हैं। मुख्यमंत्री के कोषाध्यक्ष गिरीश महाजन को मानो ऐसी दुर्घटनाओं का इंतजार रहता है। जब कोई दुर्घटना होती है तो वे तुरंत मृतकों और घायलों के परिवारों को 5-5 लाख रुपए की सहायता की घोषणा करते हैं। सरकारी लापरवाही के कारण जो जान जाती है, उस जान की कीमत गिरीश महाजन पांच-पांच लाख लगाते हैं। लेकिन जान क्यों जा रही है? जान किसकी वजह से जा रही है? इन सवालों का जवाब कौन देगा? इंद्रायणी नदी पर बना पुल पुराना हो चुका है। सरकार ने इसके नवनिर्माण के लिए आठ करोड़ रुपए मंजूर किए। ये आठ करोड़ रुपए कागजों में ही रह गए। परिणामस्वरूप, इंद्रायणी नदी पर बने पुल की मरम्मत नहीं की गई और लोग बह गए। यह सदोष मानव वध का अपराध है। इस पुल दुर्घटना में लोगों की जान लेने वाली सरकार के मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस हैं। पुणे के पालक मंत्री अजीत पवार हैं और मावल जहां यह भयानक दुर्घटना हुई, वहां के विधायक सुनील शेलके, अजीत पवार के खास हैं। विधायक को अपने गांव का जर्जर पुल नहीं दिखाई दिया, लेकिन उन्होंने खुद चुनाव जीतने के लिए सौ करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए। पालक मंत्री के रूप में अजीत पवार पुणे के विकास पर ध्यान देते हैं, पर वास्तव में क्या करते हैं? बिल्डरों और जमींदारों का विकास होता है, लेकिन इंद्रायणी नदी पर बना जर्जर पुल गिर जाता है और लोग बह जाते हैं। गरीबों के ये काम विकास की परिभाषा में फिट नहीं बैठते। यह लोक निर्माण विभाग की विफलता है। इधर, इंद्रायणी नदी पर बना पुल ढह गया और उधर, शिवाजी महाराज की मूर्ति के नीचे का निर्माण खराब हो गया तो वास्तव में इस पर खर्च किए गए करोड़ों रुपए गए कहां? यदि आप इसकी जांच नहीं करानेवाले हैं तो आपकी जांच और छानबीन की घोषणाएं व्यर्थ हैं। मुंबई की लोकल ट्रेन से गिरकर पांच यात्रियों की मौत, इसका दुख और सदमा राज्य को परेशान कर रहा है। इस राज्य में रेलवे, नदियां, सड़कें, हवाई परिवहन सभी असुरक्षित हो गए हैं। अमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद देश पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उस दुख की परवाह किए बिना, प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस जैसे देशों की यात्रा पर चले गए। विमान दुर्घटना में मरने वालों की चिताएं बुझी नहीं हैं। परिवारों के आंसू नहीं रुके हैं और प्रधानमंत्री अहमदाबाद आए और चले गए। महाराष्ट्र के शासकों के बारे में भी यही कहा जा सकता है।मुख्यमंत्री अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनके कोषाध्यक्ष मृतकों के लिए पांच लाख के मुआवजे की घोषणा करते हैं। अब यही कहना होगा कि महाराष्ट्र पर निर्दयी इंसान शासन कर रहे हैं।

सांप्रदायिक प्रतिशोध के बिना न्याय की तलाश: पहलगाम हमले के आलोक में

अल्ताफ़ मीर, पीएचडी स्कॉलर, जामिया मिलिया इस्लामिया.

पहलगाम हमले के आलोक में 22 अप्रैल, 2025 पहलगाम घाटी का शांत वातावरण, जो अपनी उपजाऊ घाटियों और खूबसूरत नदियों के लिए जाना जाता है, एक मूर्खतापूर्ण क्रूरता के कृत्य से बिखर गया। एक छद्म वेश में छिपे आतंकवादियों ने हजारों निर्दोष पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। वह क्षेत्र जहाँ सरकार वर्षों की हिंसा के बाद सामान्य जीवन के नाजुक ताने-बाने को एक साथ रखने की कोशिश कर रही है। इस हमले ने घाटी की मुस्लिम आबादी की सेवा पर गहरा दाग छोड़ दिया है।

इसने कश्मीर की पहाड़ियों से लेकर भारत और पूरी दुनिया के दिलों में डर की लहर भेज दी है। दुनिया के नेताओं के साथ-साथ आम लोगों ने भी इस खबर को सुनकर शोक, दुख और निंदा के संदेश भेजे हैं। इसके तुरंत बाद, उंगलियाँ सीमा पार के आतंकवादी नेटवर्क पर उठने लगीं और कड़ी सुरक्षा वाली नियंत्रण रेखा के पार कूटनीतिक आरोप लगने लगे। टेलीविजन स्क्रीन पर रोते हुए माता-पिता, घटनास्थल पर बिखरे हुए चप्पल और शहर के केंद्रों में मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना करने की तस्वीरें दिखाई दे रही थीं। सामूहिक शोक के साथ-साथ एक परिचित प्रवृत्ति फिर से उभरने लगी - एक दुखद घटना के संदर्भ में पूरे समुदाय को देखने की प्रवृत्ति। मुस्लिम संगठन, नागरिक समाज समूह और समुदाय के नेताओं ने निंदा के शब्दों और एकजुटता के प्रदर्शन के साथ अपने विचार व्यक्त करने में देर नहीं लगाई। धार्मिक नेताओं ने बर्बर कृत्यों के खिलाफ एकजुटता का आह्वान करते हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए सभाएं और मोमबत्ती मार्च आयोजित किए। मस्जिद समितियों ने अंतर-धार्मिक प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं, जहां मुस्लिम और गैर-मुस्लिम मंद रोशनी में एक साथ इकट्ठा हुए, अपने सिर झुकाए और इस त्रासदी की सार्वभौमिक भाषा को व्यक्त किया। संदेश सरल लेकिन शक्तिशाली है. आतंक का कोई धर्म नहीं होता।

कोई भी समुदाय, चाहे वह कितना भी प्रमुख या कमजोर क्यों न हो, कुछ लोगों के अपराधों का खामियाजा भुगतने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। कश्मीर घाटी शोक में है, पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों में, उत्तर प्रदेश, बिहार, केरल के शांत शहरों में, आम मुसलमानों ने इस संदेश को गरिमा के साथ जीवित रखा है। दुकानदारों, व्यापारियों और स्थानीय स्टॉल धारकों ने पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए बैनर लगाए। मदरसों के शिक्षकों ने अपने छात्रों से अन्याय के समय शांति, करुणा और धैर्य की आवश्यकता पर जोर दिया। हर विचारधारा के सार्वजनिक व्यक्तित्वों ने न्याय की मांग की है, बदला लेने की नहीं।

उमर अब्दुल्ला, उमर फारूक, महबूबा मुफ्ती जैसे लोगों ने देश को याद दिलाया कि दुख को नफरत में नहीं बदलना चाहिए। उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था: लोगों को एक व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एक समान धर्म के अनाम प्रतिनिधियों के रूप में। एनडीए की अपीलें प्रभावी साबित हुईं और वे सोशल मीडिया पर बढ़ते गुस्से के खिलाफ एक मौन प्रतिरोध के रूप में उभरीं, जिसे एल्गोरिदम आसानी से हवा देते हैं। शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं ने चिंता व्यक्त की है कि सामूहिक दंड और पक्षपातपूर्ण पहचान से हालात और खराब हो सकते हैं। दुनिया भर के अध्ययनों से पता चलता है कि आतंकवादी हमले के सामने एक राष्ट्र को अलग-थलग कर देना उसे सुरक्षित नहीं बनाता।

वे दुख और विभाजन पैदा करते हैं जिसका चरमपंथी फायदा उठाना चाहते हैं। भारत का अपना इतिहास, इसका गौरवपूर्ण, दर्दनाक और लचीला इतिहास, विभाजन पर समावेश को अपनाने के महत्व पर अनगिनत सबक प्रदान करता है। देश अपने खोए हुए नागरिकों के लिए शोक मना रहा है, राष्ट्र की आवाज़ें आतंकवाद का जवाब देने के लिए एक खाका प्रदान करती हैं, जो न्याय को बनाए रखता है, नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है, और साझा आदर्शों को बनाए रखता है जो भारत के विविध समुदायों को एक साथ रखते हैं।

आलेख

उफ! ये गरमी

यशवंत कोठारी

गरमी के दिन। सड़ी गर्मी के दिन। पसीने के दिन। लपलपाती लू के दिन। उफ! ये गर्मी के दिन। कौन चाहता है गर्मी। लेकिन हर एक को सताती है गर्मी।

काश गर्मी के दिन जल्दी बीत जाये। बारिश आये। जेठ की गरमी के सामने आबाल वृद्ध नतमस्तक। तेज लू के थपेड़े। ऊपर से आग बरस्ज्ञाती है इच्छा होती है कोई ठंडी छांव मिल जाये कहीं एक लोटा मटके का ठंडा. पानी मिल जाये। किसी पनघट के किनारे पर दो मिनट सुस्ताने को मिल जाये। मगर हाय गर्मी। पंछी तक घोंसले से निकलने की हिम्मत नहीं करते।

सड़के सुनसान, बाजार बियाबान। ऐसी गर्मी। वैसी गरमी। गरमी के किस्से थर्मामीटर से उछल उछल कर बाहर आते। बतियाते। थर्मामीटर में छुप जाते। कुछ के लिए हाय गर्मी। कुछ के लिए वाह गर्मी और कुछ के लिए आह गरमी। कहते है गर्मी तो ए.सी. वालो के लिए। ए.सी. मकान से निकले, ए.सी. कार में बैठे और ए.सी., दफ्तर में जम गये। यात्रा करनी पड़ी. तो ए.सी., रेल। ए.सी., बस। ए.सी. प्लेन। कहाँ है, गर्मी। मुझे तो नहीं लगती, एक उद्योगपति ने कहा था मुझे मजदूर, किसान, ठेले वाले, रिक्शे वाले, सब्जी वाले से पूछो गर्मी। उसे लगती है गरमी, वो भुगतता है गरमी को। गर्मी को ओढ़ता है। बिछाता है, खाता और पीता है। छाछ-राबड़ी के लिए भी तरस जाता है गर्मी में गरीब।

गरीब की गर्मी अलग। अमीर की गर्मी अलग। अमीरी की गरमी प्राकृतिक गर्मी को मात दे देती हैं। गरमी की सुबह क्या और गर्मी की साझं क्या। सुबह कुछ घूमने वाले बड़े बुजुर्ग जल्दी उठ कर पार्क में चले जाते है। शाम को लड़के क्रिकेट खेलने लग जाते।

लड़कियां फूलों को देखकर गर्मी में भी खिलखिलाने लग जाती है और महिलाएं बतियाने लग जाती हैं। गर्मी में फूलों का बड़ा सहारा होता है यदि पानी की इफरात हो तो कोठी में रेन डांस का आयोजन हो जाता है। लोन में ठंडे पानी का छिड़काव कर नेता-अफसर, उद्योगपति नई कोठी की योजना बनाने लग जाते है। गर्मी में नई कोठी की कल्पना बड़ी ठंडक देती हैं।

लघुकथा

सुरेश सौरभ

दो बूंद तेल

घर में दो बूंद तेल नहीं था। आज दिवाली थी। शाम हो रही थी। आज सभी के घरों में पूरी पकवान बनेंगे पर उसके घर में कैसे दिये जलेंगे, कैसे पूरी कचौरी बनेंगी यह सोच-सोच कर चकोरी बहुत परेशान थी और आज उसका बाप भी मजूरी न लगने पर खाली हाथ लौटा था। उसके मां-बाप हमेशा की तरह आपस में तकरार कर रहे थे। वह घर के बाहर अकेली बैठी चुपचाप सब सुन-सह रही थी, यह रोज-रोज की किर-किर पता नहीं कब खत्म होगी। पता नहीं कब हमको भरपेट अन्न मिलेगा। तभी उसके पास से दो बच्चे बताते हुए बढ़ते जा रहे थे, रामनगरी में आज लाखों दिए जलाए जायेंगें। आधी रात के बाद उन दियों को पूछने वाला कोई न होगा फिर हम लोग उन बुझे, कुछ अधबुझे दियों के तेल को बटोर लायेंगे और उससे चुरमुरी पूडियां छनवायेंगे। अब चकोरी प्रसन्नता से भर गई। आधी रात को अपनी झोपड़ी से एक शीशी लेकर पहुंच गई रामनगरी अपनी उम्मीदों की, अपनी आशाओं की, तमन्नाएं पूरी करने के लिए। शीशी में बुझे अधबुझे हुए दियों का तेल भरने लगी। अब उसके मन में पूडियां कचौरियां छनने लगीं। हृदय में दिवाली के अनगिनत दिए जगमगाने लगे। गरीब की दिवाली तभी होती है, जब उसके पेट में अन्न और होठों पर खुशी होती है।

संगम

बच्चे देश का भविष्य हैं, देश का भविष्य सुरक्षित और खुशहाल रखने की जिम्मेवारी हम सबकी है। इसके लिए आवश्यक है कि बच्चों की उचित शिक्षा की व्यवस्था हो। बच्चों में उत्साह बनाए रखने के लिए और उनका शिक्षा के प्रति रुझान पैदा करने के लिए हमने समस्त विद्यालयों में निःशुल्क भोजन व किताबों की व्यवस्था की है। आइए, इस संकल्प में हम सब मिल कर सहयोग करें, हम धन की कमी पूरी करेंगे, आप तन और मन से शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में लग जाइए, धन्यवाद, जय हिन्द मंत्री जी का भाषण समाप्त होने पर देश के भविष्य धारक तालियां पीट रहे थे और शिक्षकों के साथ हाथ उठा कर मंत्री जी की जय बोल रहे थे। मंत्री महोदय के पास वक्त की बहुत कमी थी। दूसरे विद्यालय वाले भी उनके आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे. उनकी गाड़ी में काजू और बादाम के पैकेट और फलों से भरी टोकरी तो पहले ही रखी जा चुकी थी। गाड़ी जाने के पश्चात् उपस्थित बच्चो को विद्यालय का चौकीदार एक दिन पहले मंगवाई गई डबलरोटी के दो-दो पीस बांटने लग गया था। सभी अध्यापक- अध्यापिकाएं 'स्टॉफ रुम' में गरम-गरम भोजन के लिए एकत्रित हो रहे थे.पूरे वातावरण में तन- मन-धन से सेवा का अनूठा संगम दिखलाई पड़ रहा था।

समीक्षा

तेंतर

कई बार मैंने भी बचपन में अपनी दादी के मुँह से यह कहते सुना था कि तेंतर बच्चे बहुत ही खुराफाती, झगड़ालू, गुस्से वाले और अशुभ होते है. उनके वजह से घर में हमेशा अशांति और लड़ाई- झगड़े का माहौल बना रहता है क्योंकि मेरी ही दादी के इकलौते पुत्र अर्थात मेरे पिताजी एक तेंतर पुत्र थे. जो अपनी तीन बड़ी बहनों के बाद बड़ी मन्नतों और आश के बाद जन्मे थे. पर यहाँ परिस्थिति ठीक उलट थी क्योंकि 'तेंतर' नामक पुस्तक में लेखक ने तीन लड़कों के बाद जन्म लेने वाली लड़की का उल्लेख किया है जिसे पहले से ही हमारे पुरुष प्रधान समाज में एक आफ़त व चिंता के रूप में देखा जाता है और कही न कही यह धारणा आज भी हमारे समाज से पूरी तरह से खत्म नहीं हो पायी है क्योंकि हमने भले ही बाहरी तौर पर बड़ी-बड़ी बाते व भाषणबाजी करते हुये बहुत से लोगों को देखा होगा. पर अंदर से असलियत और कुछ ही होती है ठीक वैसे ही जैसे एक रंगा सियार अगर हम गौर फरमाए तो पाएँगे कि स्वतन्त्रता के बाद से भारत में स्त्रियों को लेकर काफी हद तक लोगों की धारणा बदली है और इन सभी विपरीत समस्याओं के बावजूद आज स्थितियाँ काफी बदली है पर अभी भी रही-सही कसर बची है. आज के वैज्ञानिक युग में हम अन्तरिक्ष तक भले पहुँच गए है, पर आज भी जमीन पर बहुत से ऐसे जगह है जहां पर तेंतर, नर-बलि, तंत्र-मंत्र आदि बहुत सारे अंधविश्वास लोगों के मन-मस्तिष्क में अपनी पैठ बनाए हुये है. कहना न होगा कि प्रेमचंद ने अपने समय के समाज में जो कुछ भी देखा उसका हूबहू सजीव चित्रण भी किया जो आज के समय में हमें रास्ता दिखाने का भी काम करता है. लड़कियों के जन्म को लेकर बनी हुयी रूढ़ एकांकी मानसिकता और घोर निराशा व चिंता को देखते हुये एक लेखक ने सभी को आगाह करने का प्रयास किया है.

एक पाठक होने के नाते हमें भी इस समाज में देखने को मिलता है कि कैसे एक लड़की को बचपन से ही कई तरह के अभाव व समस्याओं से समझौता करना पड़ता है. उसे हर मोड़ पर रोका और टोका जाता है कि 'ऐसे मत करो, इस तरह मत रहो, नहीं तो लोग क्या कहेंगे' आदि आदि यह कोई सामान्य बात नहीं है अगर हम कहानी के प्रारम्भ में ही देखे तो पहली पंक्ति में ही लिखा है कि- 'आखिर वही हुआ जिसका डर था. तीन लड़कों के बाद लड़की जन्मी माँ सुख गई, बाप बाहर आँगन में सूख गए और बूढ़ी दादी सौर के दरवाजे पर बुड़बुड़ा रही थी- अनर्थ, महाअनर्थ, भगवान ही कुशल करें. यह बेटी नहीं राक्षसी है'. इस पूरी कहानी में मुख्य रूप से समाज में एक तेंतर लड़की को लेकर फैले हुये अंधविश्वास पर चोट किया गया है जो कही न कही हमारे बीच के कुछ परम्परागत व रूढ़ सोच रखने वाले लोगों द्वारा प्रसारित किया जाता है. और जो व्यक्ति इन अंधविश्वासों में यकीन नहीं करता उसे भी इन अंधविश्वास से भरे चंगुल में फसाने के लिए वह परंपरावादी सोच रखने वाले लोग किस हद तक गिर जाते है इस पर भी लेखक ने अपनी लेखनी चलायी है. जैसे- कहानी में लड़की का पिता जिसका नाम दामोदर है वह इन अंधविश्वास पर यकीन नहीं करता है पर कही न कही वह भी अपनी माँ के बातों से थोड़ा घबराये हुए था. दामोदर कि माँ ने तेंतर नाम के अंधविश्वास को सभी के दिलों-दिमाग में भर दिया और फिर सभी उसी सोच में दिन रात सोचते रहते, कि यह लड़की तो जरूर किसी न किसी को खाकर ही दम लेगी. पर यहाँ ठीक इसके विपरीत मेरे जहन में एक ख्याल आता है कि क्या केवल लड़कियाँ ही तेंतर होती है लड़के तेंतर नहीं होते.

भीतर की बातें

कहते हैं कि लेखक कभी नहीं मरता। मेरा मानना है कि तेजेंद्र शर्मा जैसा लेखक यदि स्वयं को मारने का प्रयास भी करे तो उसका लेखन उसे मरने नहीं देगा। तेजेंद्र शर्मा की लेखन प्रक्रिया एक मामले में अनूठी है। वह अपने आसपास होने वाली घटनाओं को देखते हैं, महसूस करते हैं, और अपने मस्तिष्क में मथने देते हैं। जब तक कि घटना कहानी का रूप नहीं ग्रहण कर लेती। तेजेन्द्र जितने अच्छे कहानीकार हैं उतने ही अच्छे इन्सान भी हैं और बेहद अच्छे दोस्त भी। तेजेंद्र शर्मा एक ख़ुदा-तरस इन्सान है जो कि ज़मीनी हक़ीकत से जुड़ा हुआ है। दूसरों को हंसाने वाला, ख़ुश रखने वाला यह इन्सान, हज़ारों दुख अपने सीने में छिपाए दिन रात इसी कोशिश में रहता है कि कैसे किसी का भला कर दिया जाए। यह संवेदनशील व्यक्ति केवल कहानीकार ही नहीं, कवि भी है और मानव मन की दुखती रगों को पकड़ता है। तेजेंद्र की कहानियां और कविताएं उसके साहित्यिक जीवन का दर्पण हैं। मुझसे कहा गया है कि मैं तेजेंद्र के बारे में कुछ लिखूं। उस हिसाब से मुझे अपने लेख की शुरुआत उनके जन्म स्थान, जन्म तिथि, शिक्षा, नौकरी आदि आदि से करनी चाहिये। किन्तु जिस तेजेंद्र से मेरा परिचय है उसके लिये यह सब बेमानी है। तेजेंद्र शर्मा अपने आप को केवल एक इन्सान समझता है और इससे अधिक वह आपको बताना भी नहीं चाहता। अंग्रेज़ी की उच्चतम डिग्री हासिल करने के बाद भी तेजेंद्र अपनी सी लगने वाली हिन्दी में लेखन करता है जिसमें पंजाबी और उर्दू का तड़का लगा रहता है। जब मेरे हाथ में तेजेंद्र की किताब ये क्या हो गया! आई तो पूरी किताब फरफरा कर देखिये और जल्दी जल्दी उसकी फ़ेहरिस्त पढ़ने लगी। एक नाम पर आकर अटक गई। इस नाम ने मुझे अचानक मेरे बचपन में ले जाकर खड़ा कर दिया।

शाबाश उल्लू के पट्ठे

कभी-कभी लगता है कि मैं अपनी पीठ खुद अपने ही हाथों ठोकूं, कहूं, 'शाबाश उल्लू के पट्ठे!' हल्दी की एक गांठ क्या पल्ले पड़ गई, तू तो पंसारी बन बैठा. कुछ इधर की, कुछ उधर की जोड़-गांठ कर चार पंक्तियां क्या लिख लीं, कवि ही नहीं, कवियों का भाग्य विधाता बन बैठा. आज मैं एक साहित्य संस्थान का अध्यक्ष हूं. गिरधर कविराय ने जब लिखा था 'लाठी में गुन बहुत हैं, सदा राखिए संग.' तब जमाना दूसरा था. उन्हें आज लिखना होता तो वे भी लिखते, 'पैसे में गुन बहुत हैं, सदा राखिये संग.' पैसा है, तो पद है, पद है तो प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठा है तो कवि हूं, लेखक हूं, साहित्यकार हूं, 'साहित्य उद्धारक संस्थान' का अध्यक्ष हूं. सब उल्लू वाहिनी की कृपा है. इसलिए मन में आता है कि मैं फिर वही कहूं, बार-बार कहूं- 'शाबाश उल्लू के पट्ठे!' कहते हैं एक पंडित को देखकर दूसरा पंडित भनभनाता है. एक कुत्ता दूसरे कुत्ते को देखकर गुर्राता है. एक कवि दूसरे कवि की टांग खींचता है. एक समीक्षक दूसरे की समीक्षा करता है. लेकिन एक मैं हूं कि मजाल है कि मेरी हिन्दी की कोई हिंदी कर सके. बड़े साहित्यकार तो मेरे सामने मिमियाते हैं कि इस बार मुझ पर इनायत हो जाय. गले में माला पहने, शाल ओढ़े, उनका एक फोटो मेरे साथ हो जाय. बड़े-बड़े काव्य शिरोमणि और काव्य भूषणियों को मैं साहित्य उपदेश देता हूं. हम जैसों की ही करनी का फल है कि आज जगह-जगह पर 'हिन्दी बचाओ', 'हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाओ' जैसे मंझोले आंदोलन चल रहे हैं. राज की बात बताऊं, वैसे यह रिसर्च का विषय है. कोई शोधार्थी मुझ पर शोध करे तो उसे कुछ भी खोजने की जरूरत नहीं. मैं ही उसे थीसिस लिखवा दूंगा. बताऊंगा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती. राजा दशरथ की तरह ही मैंने भी चौथेपन में इधर-उधर से चार छंद पाये हैं और इन चार छंदों ने ही 'साहित्य उद्धारक संस्थान' पर अपना झंडा फहरा दिया है. ये चार छंद भी मैंने बड़े जतन से पाये हैं. ये मेरे लिए आवश्यक सुरक्षा कवच थे. कोई यह न कह बैठे कि कल तक तो यह साहित्यकारों की बिरादरी में थे ही नहीं, फिर आज यह 'साहित्य उद्धारक संस्थान' के अध्यक्ष कैसे बन बैठे. सवाल नाजायज नहीं है. दलित साहित्य वाले कहते हैं कि नहीं- 'दलित साहित्य वही लिख सकता है जो दलित हो.' वैसे मैं घबराता नहीं हूं. लेकिन नाकेबंदी कर ली जाये तो बुरा भी तो नहीं है.

लोककथा

स्वर्ग में एक रात

एक बार की बात है कि एक जगह दो बड़े अच्छे दोस्त रहा करते थे। एक बार उन्होंने आपस में अपने प्रेम की वजह से यह कसम खाई कि जिस किसी की भी शादी पहले होगी वह दूसरे को अपना बैट्समैन बनने के लिये बुलायेगा चाहे वह धरती के किसी भी कोने में क्यों न हो।इत्तफाक की बात कि इस कसम को खाने के कुछ दिन बाद ही उनमें से एक दोस्त चल बसा। और फिर दूसरा दोस्त जो ज़िन्दा बचा था उसकी शादी होने वाली थी।अब उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या करे। वह कैसे अपने दोस्त को अपना बैट्समैन बनने के लिये बुलाये सो वह चर्च में अपने का फैशन कराने वाले पादरी के पास गया। पादरी बोला 'यह तो बड़ी अजीब सी बात है। पर तुम्हें अपना वायदा तो निभाना ही चाहिये। चाहे वह मर गया है पर तुमको तो उसको बुलाना ही चाहिये।' फिर पादरी ने उसको सलाह दी 'तुम ऐसा करो कि तुम उसकी कब्र पर जाओ और उसको वही कहो जो तुमको उससे कहना चाहिये। फिर यह उसकी जिम्मेदारी है कि वह तुम्हारी शादी में तुम्हारा बैट्समैन बनने के लिये आता है या नहीं।' उस पादरी की बात मान कर वह अपने दोस्त की कब्र पर गया और बोला 'दोस्त, अब समय आ गया है जब तुम्हें मेरा बैट्समैन बनना है। 'शादी वाले दोस्त के आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब उसने देखा कि उसके सामने सामने जमीन हिली और उसमें से उसका दोस्त कूद कर बाहर निकल आया और बोला. 'हर हाल में मुझे अपना वायदा निभाना है नहीं तो मुझे पुर्गेटरी में जाना पड़ेगा और पता नहीं मुझे फिर वहाँ कब तक रहना पड़े।' वहाँ से पहले वे दोनों घर गये और फिर वहाँ से शादी के लिये चर्च गये। शाम को शादी की दावत हुई तो वहाँ उस मरे हुए दोस्त ने सबको बहुत सारी कहानियाँ सुनायीं पर सबसे ज़्यादा आश्चर्य की बात तो यह थी कि उसने उस दूसरी दुनियाँ के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा कि वहाँ उसने वहाँ क्या देखा या क्या किया। दुलहा उससे कई सवाल पूछना चाहता था पर उससे किसी भी सवाल पूछने की उसकी हिम्मत ही नहीं पड़ रही थी.दावत खत्म हो जाने के बाद वह मरा हुआ दोस्त उठा और अपने दुलहा दोस्त से बोला 'क्योंकि मैंने तुम्हारे ऊपर यह एहसान किया है.

आस्था

राज पंचक में तुलसी की मंजरी से करें ये एक उपाय

तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और यह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है, इसलिए तुलसी की मंजरी का उपयोग धन प्राप्ति के लिए बहुत प्रभावी माना जाता है. पंचक काल के दौरान (जब यह राज पंचक चल रहा है, तो और भी शुभ), अपने घर में लगी तुलसी के पौधे से सूखी हुई मंजरी (तुलसी के बीज वाला गुच्छा) इकट्ठा करें. ध्यान दें कि तुलसी को एकादशी और रविवार को न छुएं, और मंजरी तोड़ते समय हल्के हाथों से तोड़ें ताकि पौधे को नुकसान न हो.यदि आपके पास सूखी मंजरी नहीं है, तो आप ताजी मंजरी भी ले सकते हैं और उसे धूप में सुखा सकते हैं. यह उपाय करने से पहले स्वयं स्नान करके शुद्ध हो जाएं और स्वच्छ वस्त्र धारण करें. अपने घर के पूजा स्थान को साफ करें. मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का ध्यान करें. इकट्ठा की गई तुलसी की सूखी मंजरी को एक लाल रंग के साफ कपड़े में बांध लें. यह लाल कपड़ा नया होना चाहिए. इस पोटली को अपने घर की तिजोरी में, धन रखने वाले स्थान पर, अपनी दुकान के गल्ले में, या अपने पर्स में रख दें. इस पोटली को रखते समय मां लक्ष्मी के किसी भी मंत्र का जाप कर सकते हैं. माना जाता है कि तुलसी की मंजरी में मां लक्ष्मी का वास होता है. इसे धन स्थान पर रखने से मां लक्ष्मी स्थायी रूप से वास करती हैं. यह उपाय घर में धन आगमन के नए सोर्स खोलता है और आर्थिक समृद्धि को बढ़ाता है. यह घर से दरिद्रता को दूर करता है और पैसों की कमी को समाप्त करता है. एक बार जब आप यह पोटली रख देते हैं, तो इसे बार-बार हटाने या बदलने की आवश्यकता नहीं होती. इसे वहीं रहने दें.

यू पाईल्स सिरप तथा पाईल्स रिलॅक्स और पाइलामृत कैप्सूल

आयुर्वेद एक जीवनशास्त्र तथा वरदानी चिकित्सा शास्त्र भी है। पाईल्स अर्थात बवासीर पर इसमे कई हजार वर्षों से सफल प्रभावी ईलाज किया जाता आ रहा है। इस पाईल्स या बवासीर को अर्श या मूलव्याध भी आयुर्वेद में कहा गया है। शिवशंकर आयुर्वेद एजेंसी सीताबर्डी नागपुर द्वारा निर्मित एक वितरित यू पाईल्स सिरप तथा पाइल्स रिलैक्स और पाईलामृत कैप्सूल पाइल्स पर अच्छा आराम देते हुए पाए गए है. पाइल्स या मूलव्याधि समूल नष्ट नहीं होगा. इसे पथ्य और औषधि सेवन से शांत किया जा सकता है. शल्य क्रिया करके भी पाइल्स फिर अपथ्य करने से पुनरुद्भव हो सकता है. उसको पथ्यापथ्य से और औषधी सेवन से ठीक किया जा सकता है। शल्यक्रिया (ऑपरेशन) करके भी पाईल्स फिर अपथ्य सेवन करने से पुनरुद्भव हो सकता है। परंतु पथ्यापथ्य के पालन एवं यु पाईल्स सिरप 20ml + आधे कप पानी के साथ और एक कैप्सूल पाइल्स रिलैक्स एव पाईलामृत की सुबह और शाम खाने के बाद सेवन करने से पाइल्स में अच्छा लाभ होते हुए देखा गया है. शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी मार्गदर्शक वैद्यो को अनुभव आया है। तथा इच्छुक व्यक्ति शिवशंकर आयुर्वेदिक एजंसी अथवा शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक के अनुभवी वैद्यो की अनुभवी सलाह से परामर्श कर उपयुक्त यू पाइल्स सिरप एवम पाइल्स रिलैक्स और पायलाम्रुत कॅप्सुल्स का सेवन करके अपनी समस्या का समाधान पाए.

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

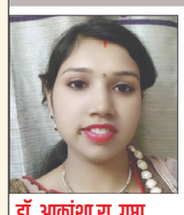

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस,
पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 18 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

सावनेर की तर्ज पर चंद्रपुर को मिलेगा प्रकृति से भरपूर इको पार्क

विधायक जोरगेवार ने वेकोलि अधिकारियों से चर्चा के बाद स्थल चयन कर योजना तैयार करने के निर्देश दिए

चंद्रपुर.

शहर में नागरिकों के लिए पर्यावरण अनुकूल पर्यटन और प्रकृति अनुकूल स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधायक किशोर जोरगेवार ने सावनेर के इको पार्क की तर्ज पर चंद्रपुर में भी इको पार्क स्थापित करने की पहल की है। आज उन्होंने वेकोलि के अधिकारियों के साथ बैठक की, संभावित इको पार्क के स्थल का निरीक्षण किया और उन्हें इको पार्क बनाने के लिए विस्तृत योजना बनाने और प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वेकोलि योजना अधिकारी प्रिया शंकर विना , आमला खनन अधिकारी उज्ज्वल बोधे , लालपेठ उपक्षेत्रीय प्रबंधक मुश्ताक अहमद , पर्यवेक्षक अधिकारी शुक्ला , सुभाष ताजने , भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार , प्रदेश विशेष सदस्य तुषार सोम , पूर्व शहर अध्यक्ष दशरथसिंह ठाकुर , भाजपा नेता प्रकाश डेटावले , बलराम डोडानी , रवि गुरनुले , मनोज पाल , पूर्व नगर सेवक प्रदीप किरमे उपस्थित थे। , अजय जयसवाल , नामदेव दाहुले , अमोल शेंडे , रंजन ठाकुर , सुमित बेले आदि उपस्थित थे।

विधायक किशोर जोरगेवार ने हाल ही में नागपुर जिले के सावनेर में इको पार्क का दौरा किया और वहां के सफल मॉडल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ पार्क के डिजाइन, अवधारणा और प्रबंधन का विस्तार से अध्ययन किया। सावनेर इको पार्क में लगाए गए कोयला खनन , हरित पट्टी , जलाशय और पर्यावरण संरक्षण की आधुनिक तकनीकों पर वेकोलि की जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी का अनुभव करने के बाद, विधायक जोरगेवार ने चंद्रपुर में भी ऐसा ही आधुनिक और प्रकृति-उन्मुख इको पार्क स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया है। इस बीच , आज चंद्रपुर में वेकोलि विश्राम गृह में आयोजित एक बैठक में उन्होंने वेकोलि और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और प्रारंभिक योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इस बैठक में भूमि चयन , विस्तृत विकास योजना , पर्यावरण मानकों और सार्वजनिक भागीदारी पर चर्चा की गई।

बैठक के बाद विधायक किशोर जोरगेवार ने शहर के जामंजट्टी क्षेत्र में वेकोलि के स्वामित्व वाली भूमि का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने इस क्षेत्र में राइवलबेल्ट खदान का भी निरीक्षण किया। यहां एक पुरानी खुली कोयला खदान है और इसमें बारिश का पानी और नदी का पानी जमा हुआ है। यह एक सुंदर नीला पानी है और यहां एक प्राकृतिक जलाशय बनाया गया है। इससे एक सुंदर प्राकृतिक जलाशय बनाया गया है। क्षेत्र में घनी वनस्पति, जलीय जीव और पक्षियों को ध्यान में रखते हुए विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि यह जगह प्राकृतिक इको-पार्क के लिए बहुत उपयुक्त जगह है। इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार ने उक्त भूमि को इको-पार्क के लिए विचार करने के निर्देश दिए हैं और अधिकारियों को तुरंत एक विस्तृत सर्वेक्षण और विकास योजना तैयार करने और इसे प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह परियोजना चंद्रपुर शहर में नागरिकों को पर्यावरण और पर्यटन पहलुओं से लाभान्वित करेगी और सभी विभागों को इसमें ईमानदारी से काम करना चाहिए और हर साल इस इको-पार्क को साकार करना चाहिए, विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा।

आंसू पोंछते हुए, सांत्वना देते हुए...

सांसद प्रतिभा धानोरकर के प्रयासों से बाघ के हमले से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान की गई!

चंद्रपुर.

टेकाडी (ताल. भद्रावती) के हर पीड़ित परिवार को, जिनके किसान बाघ के दिल दहला देने वाले हमले से रो पड़े थे, अब सांसद प्रतिभाताई धानोरकर की संवेदनशील पहल के कारण बड़ी राहत मिली है। सांसद प्रतिभाताई धानोरकर ने बाघ के हमले में अपने मुख्य बैलों को खोने वाले इन किसान भाइयों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि वे भविष्य में और अधिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने जा रही हैं।

पिछले कुछ दिनों से चंद्रपुर जिले में बाघों के हमले लगातार हो रहे हैं, जिससे पशुधन को भारी नुकसान हो रहा है। अपने प्यारे जानवरों के चले जाने से किसान तबाह हो गए हैं। टेकाडी (तेल. भद्रावती) में चार परिवारों पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब बाघ के हमले में उनके मेहनती साथी कुल पांच बैल मारे गए। संघर्ष कर रहे इन परिवारों के लिए यह सिर्फ अपने जानवरों की हानि नहीं थी, बल्कि उनकी आजीविका का नुकसान था।

इसमें गणेश विठ्ठल गायकवाड़ को 52,000 रुपए, भाऊराव कवडू नन्नावरे को 48,750 रुपए, रमेश आनंदराव श्रीरामे को 52,500 रुपए तथा रविन्द्र श्रीहरि आलम को 50,000 रुपए का चेक तत्काल दिया गया । इस अवसर पर भद्रावती पुलिस थाने की थानेदार लता वागड़े, वनपरिक्षेत्र अधिकारी संतोष थिपे तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

इस हृदय विदारक घटना की जानकारी मिलते ही सांसद प्रतिभा धानोरकर बिना किसी देरी के प्रभावित किसानों की मदद के लिए दौड़ पड़ीं। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ प्रशासन से संपर्क साधा, किसानों की पीड़ा और उनकी आंखों में आंसू सरकार के सामने रखे। उनके अथक प्रयास सफल हुए और प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए प्रत्येक प्रभावित किसान को तत्काल आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष थिपे ने भी सहयोग किया है और तत्काल संपर्क साधकर आगे की सहायता प्रदान की जाएगी।

यह सहायता निश्चित रूप से किसानों को इस कठिन परिस्थिति से उबरने में मदद करेगी। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने भावुक होकर कहा, "किसानों की आंखों से आंसू पोंछना और उनके साथ मजबूती से खड़े होना हमारा कर्तव्य है। बाघों के हमलों के कारण उन्हें जो पीड़ा झेलनी पड़ रही है, उसे देखकर दिल दहल जाता है। यह महत्वपूर्ण है कि संकट के इस समय में उन्हें तत्काल सहायता मिले और मैं इसके लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहूंगी।" टेकाडी के किसानों ने सांसद प्रतिभा धानोरकर के त्वरित कार्रवाई और मानवीय भूमिका के लिए उनका आभार व्यक्त किया है।

चंद्रपुर के शाश्वत कुट्टरमारे ने नीट 2025 परीक्षा में चमकाया परचम

चंद्रपुर.

अखिल भारतीय स्तर पर 897वीं रैंक प्राप्त की, जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया

चंद्रपुर के शाश्वत कुट्टारमारे ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी नीट 2025 परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है, उन्होंने 897 की प्रभावशाली अखिल भारतीय रैंक हासिल की है और जिले में टॉपर बने हैं। यह घोषणा आज आकाश एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा की गई। आधिकारिक परिणाम कल राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा घोषित किए गए थे।

अपनी उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए शाश्वत ने कहा, "मैं इस पूरी यात्रा में मेरा मार्गदर्शन करने के लिए आकाश का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। उनके संरचित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ संकाय और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने मुझे बहुत ही कम समय में कठिन विषयों को समझने में मदद की। यह सफलता एईएसएल के बिना संभव नहीं होती।" एईएसएल के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एचआर राव ने शाश्वत को बधाई देते हुए कहा, "हमें नीट 2025 में अपने छात्र के शानदार प्रदर्शन पर बेहद गर्व है। देशभर में 23 लाख से अधिक छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए थे। ऐसी प्रतिस्पर्धी परीक्षा में इतने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता छात्र की कड़ी मेहनत और लगन के साथ-साथ उसके माता-पिता के समर्थन और हमारी शैक्षणिक टीम के समर्पित प्रयासों का प्रमाण है। हम उसे चिकित्सा क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

वृक्षारोपण के लिए विस्तृत योजना बनाएं : जिला कलेक्टर

हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र अभियान के तहत जिले में एक करोड़ ग्यारह लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य

गढ़चिरोली.

राज्य सरकार ने राज्य में वनों की कटाई का प्रतिशत बढ़ाने के लिए हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र अभियान के तहत अगले दो वर्षों में गढ़चिरौली जिले में एक करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है और जिला कलेक्टर अविश्यंत पंडा ने सभी सरकारी और निजी संस्थाओं के साथ जन आंदोलन के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

जिला कलेक्टर हरित महाराष्ट्र, समृद्धि महाराष्ट्र अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान के संबंध में नियोनोज भवन में आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुहास गाडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम. रमेश, श्री कार्तिक, सहायक जिला कलेक्टर रणजीत यादव, कुशल जैन, नमन गोयल, उप-वन संरक्षक मिलिश शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर नितिन गावंडे उपस्थित थे। चूंकि जिले में बड़ी संख्या में उद्योग आ रहे हैं, इसलिए सरकार की ओर से एक करोड़ तथा लॉयड मेटल्स की ओर से ग्यारह लाख पौधे लगाए जाएंगे। श्री पंडा ने सभी को मिलकर इस वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण में कम से कम डेढ़ से तीन वर्ष पुराने पौधे लगाए जाएं, पौधे रोपने के बाद जीवित रहें तथा बढ़ते रहें, इसके लिए विशेष प्रयास व योजना बनाई जाए तथा भविष्य में वृक्षारोपण के लिए नर्सरी में पौधे विकसित किए जाएं। बैठक में रेशम विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, जल संसाधन, सामाजिक वानिकी, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग आदि विभिन्न सरकारी विभागों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों को वृक्षारोपण का लक्ष्य दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारियों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

पुलिस कार्रवाई के बाद भी रेती का उत्खनन और अवैध बिक्री चालू

फरार आरोपी अग्रिम जमानत पर

आरमोरी.

आरमोरी तालुका में नदी तल से रेत निकालने का काम रात 9 से 10 बजे से शुरू होकर भोर तक चलता है। यहां दो से तीन उत्खनन मशीनें नदी तल में उतारी जाती हैं और ,कई हाइवा टिप्पर की मदद से रेत को नदी तल से ऊपर उठाया जाता है और पहाड़ जितने बड़े ढेर लगाए जाते हैं। इस डंप की गई रेत का परिवहन रात की पाली में दो से तीन उत्खनन मशीनों और 15 से 20 हाइवा टिपरों की मदद से किया जा रहा है। यह कारोबार पिछले महीने से बिना किसी परेशानी के चल रहा है।

वर्तमान में निर्माण कार्यों के लिए रेत की मांग में भारी वृद्धि को देखते हुए रेत माफिया ने इस ओर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है। यह कारोबार काफी लोकप्रिय हो गया है। चूंकि नदी पर बने पुल के ठीक बगल से बड़ी मात्रा में रेत का उत्खनन किया जा रहा है, इसलिए भविष्य में पुल को बड़ा खतरा होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके चलते शासन-प्रशासन की चुप्पी संदेहास्पद है। रेत उत्खनन से होने वाले प्रदूषण और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कुछ नियम और शर्तें लगाई जाती हैं। लेकिन व्यवस्था की सुस्त कार्यप्रणाली के कारण यहां यह सब ताक पर है। पिछले सप्ताह देउलगांव और डोंगरसावंगी घाटों पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और शुभम निम्बेकर नामक आरोपी को आरमोरी पुलिस ने फरार घोषित किया था। इनमें से रेत तस्करी में शामिल एक मुख्य आरोपी शिक्षक को जानबूझकर छोड़ दिया गया। साथ ही रेत डिपो नियमों के अनुसार सरकार द्वारा अनुमोदित चार लोगों को भी इस कार्रवाई से बाहर रखने की बात कही गई है। मामला दर्ज होते ही दो से तीन दिनों के भीतर दोनों घाटों पर फिर से रेत उत्खनन और अवैध परिवहन शुरू हो गया, इससे आरमोरी पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

गढ़चिरोली जिले में विभिन्न वाहन चोरियों के अंतरराज्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया

पुलिस ने विभिन्न अपराधों से कुल 16,05,000/- रुपये मूल्य के 42 दोपहिया वाहन बरामद किये

गढ़चिरोली.

जिले में अवैध वाहन चोरी की घटनाएं बढ़ने के कारण पुलिस अधीक्षक श्री नीलोत्पल ने समय-समय पर सभी चौकी/उप चौकी/पीओएमकेई के प्रभारी अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। तदनुसार, 09/06/2025 को पोमके सावरगांव में धारा 303(2), 318(4), 336(3), 338, 340(2), 3(5) आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया। क्रमांक 17/2025 दर्ज किया गया।

उक्त अपराध की विवेचना चल रही थी, उसी दौरान पोमकेन सावरगांव पुलिस ने गवाहों एवं गोपनीय मुखबिरों की मदद से आरोपी विनय प्रकाश धरमू कुजूर, निवासी गजामेंढी, तहसील धानोरा, जिला. गढ़चिरौली की पहचान की थी। प्राप्त जानकारी के आधार पर पोमकेन सावरगांव पुलिस ने आरोपी विनय प्रकाश धरमू कुजूर, निवासी गजामेंढी, तहसील धानोरा जिला. गढ़चिरौली को आगे की विवेचना हेतु राजनांदगांव जेल से हिरासत में लिया था। विवेचना के दौरान जब आरोपी को विश्वास में लेकर पूछताछ की गई, तो आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी के कई अपराधों में अपनी संलिप्तता कबूल की। इस दौरान जब आरोपी से उक्त अपराधों के संबंध में गहनता से पूछताछ की गई, तो ज्ञात हुआ कि आरोपी अपने साथियों की मदद से वाहन चोरी कर उक्त चोरी के वाहनों के फर्जी दस्तावेज बनाकर उक्त वाहनों को धोखाधड़ी से बेच रहा था। इसके आधार पर आरोपी के साथियों के नाम 1) रावनु दसरू पाड़ा, निवासी गजामेंढी, तहसील धानोरा,जिला. गढ़चिरोली, 2) राकेश छबीलाल बदले, गजमेंढी निवासी, तहसील धानोरा, जिला. गढ़चिरोली, 3) रामू ज़िक्टूराम धुर्वे, गजमेंढी निवासी, तहसील धानोरा, जिला. गढ़चिरौली, 4) संजय मुन्ना लकड़ा, कवडू निवासी, ताल। राजपुर, जिला. बलरामपुर (छ.ग.), 5) राजेंद्र चुण्डा लकड़ा, निवासी कवडू, तहसील राजपुर, जिला. बलरामपुर (छ.ग.), 6) राजेश पुरूषोत्तम सोनकुसरे, निवासी तलेगांव, तहसील कुरखेडा, जिला गढ़चिरोली,को गढ़चिरौली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। इस दौरान आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां न्यायालय ने सभी आरोपियोंको 20/06/2025 तक पुलिस हिरासत दी गई है। पुलिस मदद केंद्र सावरगांव और लोकल क्राइम ब्रांच गढ़चिरौली द्वारा अपने खोजी कौशल का उपयोग करके की गई गहन जांच के कारण, गढ़चिरोली जिले के पोस्ट मुरूमगांव, पोस्ट कोरची, पोस्ट आरमोरी, पोस्ट पुराडा, पोस्ट कोटगुल, पोस्ट धानोरा और छत्तीसगढ़ में दर्ज कुल 14 अपराधों का खुलासा हुआ है और गढ़चिरौली पुलिस ने गढ़चिरौली सहित छत्तीसगढ़ में कुल 42 दोपहिया वाहनों को जब्त करने में सफलता हासिल की है। इसके साथ ही जांच के बाद और भी अपराधों का खुलासा होने की संभावना है। अपराध की आगे की जांच पोमकेन सावरगांव के पुलिस सब इंस्पेक्टर विश्वंभर कराले द्वारा की जा रही है।

'बिग बॉस' फेम मन्नारा चोपड़ा के पिता का निधन

'बिग बॉस' में नजर आ चुकी एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है. एक्ट्रेस की फैमिली पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा चोपड़ा के तमाम चाहने वाले फैंस सोशल मीडिया के जरिए उन्हें इस दुख की घड़ी में सांत्वना दे रहे हैं. एक्ट्रेस के पिता रमन राय हांडा एडवोकेट थे और उनका 16 जून को दिल्ली में निधन हो गया. बताया जाता है कि वह अपने पिता से काफी करीब थीं. मन्नारा चोपड़ा को पिता के निधन से गहरा सदमा लगा है. बताते चलें कि मन्नारा चोपड़ा के पिता रमन राय हांडा रिश्ते में प्रियंका चोपड़ा के फूफा थे.मन्नारा चोपड़ा की फैमिली की बात करें तो पिता रमन राय हांडा के निधन के बाद उनके अलावा मां कामिनी और बहन मिताली है. रमन राय हांडा दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत करते थे. मन्नारा चोपड़ा की मां प्रियंका चोपड़ा के पिता की बहन हैं. कहा जा रहा कि रमन राय हांडा बीते काफी समय से बीमार चल रहे थे. मन्नारा चोपड़ा के पिता के निधन से उनके रिश्तेदारों और करीबी दोस्तों को गहरा झटका लगा है. मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि फैमिली की तरफ से कहा गया है कि रमन राय हांडा का अंतिम संस्कार 18 जून यानी बुधवार को मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थिति अम्बोली श्मशान घाट में किया जाएगा. मन्नारा चोपड़ा के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में फिल्म 'जिद' से बॉलीवुड इंडस्ट्री में डेब्यू किया था. इसके बाद वह बॉलीवुड और साउथ की तमाम फिल्मों में काम करती नजर आईं.

सितारे ज़मीन पर का नया गाना 'शुभ मंगलम' हुआ रिलीज

सितारे ज़मीन पर की रिलीज अब बस करीब है, जो 2007 की पसंदीदा फिल्म तारे ज़मीन पर का एक स्पिरिचुअल सीक्वल है और लोगों का उत्साह अपने चरम पर पहुंच रहा है। ट्रेलर पहले ही प्यार, खुशी और हंसी से भरी एक दिल छू लेने वाली दुनिया की झलक दिखा चुका है। अब फिल्म का सोलफुल साउंडट्रैक भी लोगों के दिलों को छू रहा है, जिससे रिलीज से पहले का इंतज़ार और भी बढ़ गया है। नया गाना शुभ मंगलम भी इस त्योहारी माहौल में रौनक बढ़ा रहा है, और लोगों के बीच एक खास जश्न का माहौल बना रहा है। अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने शुभ मंगलम गाना शेयर किया, जो शादी की रौनक और एनर्जी से भरपूर है। इस गाने में आमिर खान, जेनेलिया डिसूज़ा और साथ में 10 चमकते सितारे धमाकेदार डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। सितारे ज़मीन पर के गाने शुभ मंगलम को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने गाया है। इस गाने को शंकर-एहसान-लॉय ने कैंपस किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर 'शुभ मंगल सावधान' बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ 'सितारे जमीन पर' में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं।

संजय दत्त की बेटी को देख उड़े लोगों के होश

सुपस्टार संजय दत्त की जवानी का एक दौर था जब उनकी बाहों में हर दिन लड़कियां बदलती रहती थी लेकिन अब अपनी लाइफ का ज्यादातर समय बीवी बच्चों के साथ गुजारना पसंद करते हैं। वहीं अब संजय दत्त हाल ही में एक इवेंट का हिस्सा बने जहां हर तरफ सिर्फ और सिर्फ उनकी बेटी के ही चर्चे हो रहे हैं। संजय दत्त और कुछ बॉलीवुड सेलेब्स हाल ही में ग्रैंड वेडिंग का हिस्सा थे। इस शादी में संजय दत्त की बेटी इकरा दत्त गुलाबी ड्रेस में अपने पापा के साथ दिखाई दी। पहले तो जहां तस्वीरों में उनकी पहचान आसानी से नहीं हो पा रही है तो वहीं ये जानकर की ये संजय दत्त की छोटी बेटी है हर कोई चौंक रहा है. फैंस को यकीन नहीं हो रहा कि वह अब इतनी बड़ी हो गई हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि इकरा, संजय दत्त और मान्यता दत्त की बेटी हैं। वहीं उनका एक जुड़वा भाई शाहरान भी है। जबकि संजय दत्त की बड़ी बेटी त्रिशा दत्त हैं, जो एक्टर की पहली वाइफ के साथ है।

सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरें अरबपति सुनील वासवानी की बेटी सरीना वासवानी की शादी की है, जिसमें सिंगर सोनू निगम भी शामिल हुए थे। वहीं संजय दत्त बेटी इकरा के साथ हिस्सा बने थे। सामने आई तस्वीरों को सोनू निगम ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया, जिसमें वह और संजय दत्त ब्लैक और गोल्डन रंग की मैचिंग शेरवानी में देखे जा सकते हैं। जबकि इकरा पिंक कलर के खूबसूरत लहंगे चोली में दिख रही हैं। उन्होंने गले में चोकर, हल्का मेकअप और खुले बाल रखे हुए हैं। इन तस्वीरों में उन्हें पहचानना फैंस के लिए काफी मुश्किल है।

विवेक अग्निहोत्री का दीपिका पर तीखा बयान

छपाक फिल्म की रिलीज के वक्त दीपिका पादुकोण प्रोटेस्ट कर रहे जेएनयू के छात्रों के समर्थन में खड़ी हुई थीं। इस बात पर उनका काफी विरोध हुआ था और इसका असर छपाक फिल्म पर भी पड़ा था। अब फिल्ममेकर विवेक अग्निहोत्री का कहना है कि उन्हें यकीन है कि दीपिका को जेएनयू की राजनीति का पता नहीं रहा होगा। वो उनके पीआर की गलती थी जिसका खामियाजा दीपिका पादुकोण को भुगतना पड़ा। विवेक अग्निहोत्री शुभंकर मिश्रा से बोले, 'मैं गारंटी ले सकता हूं कि दीपिका जब वहां गईं तो उनको जेएनयू पॉलिटिक्स का जरा भी आइडिया नहीं था।' जब उनसे पूछा गया कि क्या दीपिका इतनी स्मार्ट नहीं हैं कि सिचुएशन को समझ सकें? इस पर विवेक बोले, 'यह मूर्ख होने का मसला नहीं है। उनके पीआर ने उनसे कहा होगा कि यह सही मौका है अपनी फिल्म प्रमोट करने का क्योंकि यूनिवर्सिटी राजनीति से जुड़ी है और फिल्म भी पॉलिटिकल है। अगर वह जानती तो नहीं आतीं।' विवेक ने कहा कि कोई बिना मंशा के भी राजनीति में आने के कई रिस्क हैं। वह बोलते हैं, 'आप आग के साथ खेलते हैं तो जलेंगे। मैं दीपिका का पर्सनली नहीं जानता तो मैं नहीं जानता कि उनकी आइडियोलॉजी क्या है। मुझे पता है कि वह बहुत ही स्मार्ट और इंटेलिजेंट महिला हैं। अगर उन्हें पता होता कि राजनीतिक रूप से यह कितनी सेंसिटिव जगह है तो और इसका असर उनके करियर पर पड़ सकता है तो वह वहां कतई नहीं गई होतीं।

'विवेक आगे बोलते हैं, 'फिल्म प्रमोशन के वक्त कई सारे लोग स्टार्स को सलाह दे रहे होते हैं कि क्या करो और किससे बात करो। उनके पीआर ने गलती कर दी, उन्हें लगा कि यह एक इवेंट है पर वो इवेंट नहीं था। पॉलिटिक्स में घुसने पर तो उनसे बड़ी मछलियां भी तल दी जाती हैं। 'दीपिका पादुकोण ने छपाक फिल्म में एसिड पीड़िता मालती का रोल निभाया था। दीपिका साल 2020 में जेएनयू कैंपस में अटैक के बाद प्रोटेस्ट कर रहे छात्रों के साथ खड़ी हुई थीं। उस वक्त उनकी फिल्म छपाक रिलीज होने वाली थी। इस बात पर काफी विरोध हुआ था और छपाक फिल्म का बॉयकॉट किया गया था।

अरुणा ईरानी की बेहतरीन एक्टिंग से डरती थीं रेखा

1970 के दशक में जानी-मानी अभिनेत्री अरुणा ईरानी ने कई फिल्मों में सपोर्टिंग किरदार निभाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि कैसे उनकी 'अच्छी दोस्त' रेखा ने उनके सीन कटवा दिए और उन्हें एक फिल्म से बाहर तक निकलवा दिया था. अरुणा ईरानी ने दावा किया कि रेखा ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्हें लगा कि वह बहुत अच्छी एक्टिंग कर रही हैं और तुलना करने पर उनकी छवि खराब हो सकती है. लेहरेन रेट्रो के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अरुणा ने रेखा के साथ फिल्म 'औरत औरत औरत' में काम करने के वक्त को याद किया.

इस दौरान दिग्गज एक्ट्रेस ने याद किया कैसे राखा ने उनके सीन्स काट दिए थे. उन्होंने बताया, 'प्रोड्यूसर्स की वजह से फिल्म बनते-बनते छह साल लग गए. मेरा बहुत अच्छा रोल था, सेंट्रल कैरेक्टर था. कोई भी उस तरह के रोल के लिए प्रार्थना करेगा. फिर काफी लोगों की वजह से काट देना पड़ा. रेखा जी हमारी, वो देने ही नहीं देती थी, कि नहीं अरुणा का रोल बहुत अच्छा है.'अरुणा ईरानी ने आगे बताया कि रेखा ने उन्हें एक और फिल्म 'मंगलसूत्र' से निकलवा दिया था, क्योंकि उन्होंने बहुत अच्छा अभिनय किया था. उन्होंने कहा, रेखा ने मुझे एक फिल्म से निकाल दिया, जबकि वह मेरी अच्छी दोस्त थी, वह अब भी हैं. लेकिन जब उन्होंने मुझे 'मंगलसूत्र' नाम की फिल्म से निकाला, तो मैंने प्रोड्यूसर से पूछा कि आपने मुझे साइनिंग अमाउंट देने के बाद भी क्यों निकाला?' उन्होंने कहा, 'रेखा जी कभी आपको फिल्म में नहीं चाहती थीं. जब मैंने रेखा से पूछा कि उन्होंने ऐसा क्यों किया, तो उन्होंने कहा, 'अरुणा, अगर आप ने किरदार को इमोशनली बहुत अच्छा कर दिखाया तो मैं फिल्म में वैम्प की तरह नजर आने लगूंगी, इसलिए उन्होंने मुझे निकाल दिया.

महफिल में सलमान ने याद कीं श्रीदेवी की खूबियां

सलमान खान और पहली फीमेल सुपरस्टार कही जाने वाली एक्ट्रेस श्रीदेवी ने फिल्म चंद्रमुखी में साथ काम किया था। ये फिल्म तो फ्लॉप हुई थी लेकिन दोनों को स्क्रीन पर पसंद किया गया था। सलमान, हमेशा से श्रीदेवी के फैन रहे हैं। उन्होंने कई शोज में एक्ट्रेस के लिए अपनी पसंद जाहिर की है। यहां तक कि एक अवार्ड शो में जब उन्हें मौका मिले था कि वो श्रीदेवी को अपने शब्दों से सम्मानित करें तो उन्होंने ये मौका जाने नहीं दिया। उन्होंने अपने स्टारडम को पीछे रखते हुए श्रीदेवी को स्टेज पर वेलकम किया था। उनके सम्मान में जो बातें कहीं थीं उससे श्रीदेवी भी खुश हो गई थीं।सलमान ने आगे कहा, 'कभी एक ही फिल्म में वो बच्ची होती हैं, फिर उसी में वो बड़ी हो जाती हैं। जुड़वा बहन बन जाती हैं, मां बन जाती हैं, बेटी भी वही होती हैं। चार्ली चैपलिन बन जाती हैं। गा भी लेती हैं। सोचिए, अगर वो ये फैसला नहीं करती कि उन्हें फिल्मों में काम करना है। तो इस इंडस्ट्री का क्या होता। हम जैसे फैंस का क्या होता। मुझे नहीं लगता है कि हमारी फिल्म इंडस्ट्री के अंदर इस लीजेंड जैसा कोई आएगा और आया है। वो नाम है श्रीदेवी।' ये बात है जी सिने अवार्ड 2017 की। इसी साल उनकी 300वीं फिल्म मॉम रिलीज हुई थी। श्रीदेवी के इन 300 फिल्मों के सफर को सलाम करते हुए सलमान ने कहा था, 'शाहरुख खान है, मैं हूं, आमिर खान है, ऋतिक रोशन है, अक्षय कुमार हैं। हम सभी ने बहुत काम किया है। अगर आप हम सबकी फिल्में जोड़ दें तो 200-250 हो जाएंगी। लेकिन हमारी फिल्म इंडस्ट्री में एक लीजेंड हैं। बहुत ही टैलेंटेड, खूबसूरत, डेडिकेटेड, मेहनती, प्रोफेशनल। उन्होंने 300 फिल्में की हैं। एक छोटे से समय के अंदर 300 फिल्में, एक लीड हीरोइन के तौर पर करना बहुत ही मुश्किल है।'

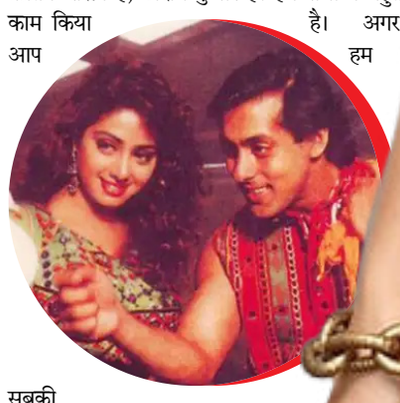

नाना पाटेकर की पत्नी आईआईटी छोड़कर बनीं एक्ट्रेस

नाना पाटेकर फिल्मी दुनिया का बड़ा नाम हैं, उन्होंने कई सारी फिल्मों में कमाल का रोल निभाया है. नाना पाटेकर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर ज्यादा चर्चा में नहीं रहे हैं. काफी कम लोगों को नाना पाटेकर की पत्नी के बारे में पता है. नाना पाटेकर की पत्नी का नाम नीलकांति पाटेकर है. दोनों की मुलाकात मराठी नाटक के दौरान हुई थी और उसी दौरान दोनों की लव स्टोरी भी शुरू हुई. साल 1978 में दोनों शादी के बंधन में बंध गए और नई जिंदगी की शुरुआत की.नीलकांति भी मराठी फिल्मी दुनिया में जाना माना हैं, उन्होंने साल 1966 से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. वो बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट मराठी नाटकों में भाग लेने लगी थीं, लेकिन उनके पिता उन्हें पढ़ाई पर फोकस करने को कहते थे. हालांकि, उन्होंने पिता की बात मानी और आईआईटी का एग्जाम भी पास कर लिया. लेकिन, एक्टिंग के लिए ज्यादा प्यार होने की वजह से उन्होंने पढ़ाई छोड़ दी. 1973 में महाराष्ट्र स्टेट ड्रामा कॉम्पिटिशन में बेस्ट एक्ट्रेस का गोल्ड मेडल जीता. नीलकांति मराठी सिनेमा में काफी फेमस हैं, हालांकि उन्होंने एक्टिंग करियर से लंबे वक्त का ब्रेक भी लिया था. वो नेशनल अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं. नाना पाटेकर के साथ रिश्ते के बारे में बात की जाए, तो दोनों अलग-अलग रहते हैं. शादी के कुछ वक्त बाद ही नाना पाटेकर और नीलकांति ने अपने पहले बच्चे का वेलकम किया, लेकिन ढाई साल की उम्र में ही उसने दुनिया को अलविदा कह दिया. इसके बाद उनका बेटा मल्हार पैदा हुआ था. फैमिली पर ध्यान देने के लिए नीलकांति ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया. लेकिन, बाद में उनके और नाना पाटेकर के बीच काफी मतभेद होने लगे, जिसके चलते दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए. विकी कौशल की फिल्म छावा से नीलकांति ने दोबारा वापसी की है.

रामायण की शूटिंग के दौरान महसूस हुई दिव्यता

रामानंद सागर द्वारा निर्मित रामायण किसी सीरियल जैसा लगता ही नहीं है. ये एकदम रियल लगता है. रामायण को लोगों ने बहुत पसंद किया था. आज तक इसका कोई मुकाबला नहीं है. रामायण के कास्ट भी इतने शानदार हैं, जिन्हें देखकर असल के राम और सीता जी की छवि याद आती है. यह शो दूरदर्शन पर जनवरी से जुलाई 1988 तक टेलीकास्ट हुआ था. लोगों में इस सीरियल को देखने की होड़ थी. उस जमाने में लोग सब काम धंधा छोड़ कर रामायण देखा करते थे. इस शो को कोरोना के समय रिटेलिकस्ट किया गया. इस बार भी दर्शकों ने इसे बहुत प्यार दिया था. राम जी की कहानी वाला ये शो घर घर में देखा गया है.इस सीरियल में अरुण गोविल ने राम का किरदार निभाया था तो वहीं दीपिका चिखलिया ने सीता माता की भूमिका निभाई थी. इनके अलावा इस शो में कई और दिग्गज कलाकारों ने भूमिका निभाई थी. रिपोर्ट्स के अनुसार, सीता और राम के किरदार को लोग भगवान समझने लगे थे. अरुण गोविल और दीपिका को देखकर लोग जमीन पर झुक जाते थे और उनके पैर भी छूते थे.

अल्लू ने बनाया नया रिकॉर्ड

आज की तारीख़ में सबसे बड़े सुपरस्टार हैं नेशनल अवॉर्ड जीतने से लेकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने तक, उन्होंने हर मोर्चे पर अपनी बादशाहत टीवीआर साबित कर दी है। 'पुष्पा 2: द रूल' की ज़बरदस्त कामयाबी से उन्होंने सिनेमाघरों में तूफान खड़ा कर दिया, और अब टीवी पर भी उनका जलवा बरकरार है , जहाँ उन्होंने 5.1 की शानदार रेटिंग के साथ टॉप पोजिशन हासिल की है। 5.4 करोड़ लोगों तक पहुंच! आइकॉनिक रूल अब भी जारी है। सच में, अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल ने एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया है, और इस बार मुकाबले में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर को भी पीछे छोड़ दिया है। 5.1 की ज़बरदस्त टीवीआर रेटिंग के साथ फिल्म ने देश की सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली टी20 लीग को भी मात दे दी.

सुनीता ने हटाया पति गोविंदा का सरनेम

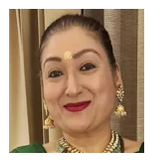

गोविंदा और पत्नी सुनीता अक्सर ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं. काफी वक्त से कई बार दोनों के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी है. हालांकि, इस मामले में सुनीता ने कई बार सफाई भी दी है, लेकिन एक बार फिर ये चर्चा शुरू हो गई है. दरअसल, हाल ही में सुनीता ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के आगे से अपना सरनेम आहूजा हटा दिया है. इस बड़े फैसले के बाद से लोगों ने फिर से दोनों की तलाक की अटकलें लगानी शुरू कर दी. लेकिन, अब इस मामले में सुनीता ने चुप्पी तोड़ी है. सुनीता भले ही एक्टिंग की दुनिया में शामिल नहीं हैं, लेकिन उसके बावजूद वो लोगों के बीच काफी फेमस हैं. अक्सर उनके इंटरव्यू उनके बेबाक अंदाज की वजह से लोगों को बहुत पसंद आते हैं. हाल ही में उन्होंने अपने नाम में एक एक्स्ट्रा जोड़ा है, इतना ही नहीं उन्होंने अपने नाम के आगे से आहूजा भी हटा दिया है. जिसके बाद से उनके और गोविंदा के अलग आने की बात सामने आने लगी, लेकिन अब सुनीता ने इसे नकारते हुए इसकी असल वजह बताई है. सुनीता ने बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने ये सब न्यूमरोलॉजी के लिए किया है.

सुनीता ने कहा, मैंने अपने नाम के साथ आहूजा हटाया और अपने फर्स्ट नाम के साथ एक्स्ट्रा एस लगाया. न्यूरोलॉजी के लिए ऐसा किया. मैं नेम और फेम चाहती हूं. किसको नहीं चाहिए. इसके साथ ही गोविंदा के साथ रिश्ते को लेकर उन्होंने कहा कि हम हैप्पी फैमिली हैं और जब तक हम लोगों की तरफ से डायरेक्ट कुछ नहीं आता तब तक कुछ भी मत सोचिए.नाम बदलने की वजह के साथ उन्होंने बताया कि उन्हें इसका फायदा भी मिला है. उन्होंने कहा, देखो न, मैं कितनी वायरल हो रही हूं पिछले कुछ महीनों से, मैं पूरे इंटरनेट पर छाई हुई हूं. साथ ही आहूजा को लेकर कहा कि मैं आहूजा हूं और ये कभी नहीं बदलेगा. सरनेम तभी हटेगा जब आप इस दुनिया को छोड़कर चले जाएंगे. इससे पहले भी गोविंदा और सुनीता के तलाक की खबर सामने आई थी, जिसे बाद में सुनीता ने गलत बताया था.

सुनील शेट्टी ने खोले आमिर के राज

बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड को लेकर हमेशा से बात होती रही है। कभी कहा जाता है कि किसी स्टार का कनेक्शन अंडरवर्ल्ड से है तो कभी किसी को दोस्त बताया जाता है। लेकिन अब कुछ ऐसा सामने आया है जिसको जानकर यकीनन आपको झटका लगने वाला है। दरअसल आमिर खान को लेकर एक सवाल सुनील शेट्टी से पूछा गया था। कहा जाता है कि आमिर खान पिस्टल लेकर घूमते है। इसका कारण सिर्फ सेल्फ डिफेंस है क्योंकि उनको अंडरवर्ल्ड से धमकियां आती है। अब इसपर सुनील शेट्टी ने रिएक्शन दिया है। उन्होने जो भी कहा वो काफी हैरान करने वाला है। आमिर खान को लेकर उनके सवाल पूछा गया था कि, 'मैंने सुना है कि आमिर खान हमेशा पिस्तौल रखते हैं। आपके बारे में क्या?'

जसप्रीत बुमराह नहीं बने टेस्ट कप्तान,

> सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इस दौरे पर बुमराह के कंधों पर अहम जिम्मेदारी होगी. वह ना केवल तेज गेंदबाजी को लीड करेंगे, बल्कि शुभमन गिल की कप्तानी में मदद भी करते हुए नजर आएंगे, जो पहली बार टेस्ट टीम की कमान संभालने जा रहे हैं.

गिल को रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद ये भूमिका मिली है. लेकिन रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बुमराह नए कप्तान बनने के बड़े दावेदार माने जा रहे हैं. लेकिन बुमराह को टेस्ट का कप्तान क्यों नहीं बनाया गया, इस पर एक बड़ा बयान सामने आया है.

बुमराह ने ठुकराया इतना बड़ा ऑफर : जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्होंने टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी क्यों नहीं ली. रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले, बुमराह को बीसीसीआई ने कप्तानी की भूमिका के लिए विचार किया था. हालांकि, बुमराह ने इस जिम्मेदारी को लेने से इनकार कर दिया, और इसके पीछे का कारण उनकी फिटनेस और टीम के हित को प्राथमिकता देना था.

खुद बताई इसके पीछे की वजह : जसप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में कहा, 'रोहित और विराट के संन्यास लेने से पहले, आईपीएल के दौरान, मैंने बीसीसीआई से बात की थी, मैंने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान वर्कलोड मैनेजमेंट के बारे में चर्चा की, मैंने उन लोगों से बात की है जो मेरी पीठ संभालते हैं. जिसके बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि हमें थोड़ा और स्मार्ट होना होगा, फिर मैंने बीसीसीआई को फोन किया कि मैं कप्तानी के लिए तैयार नहीं हूं क्योंकि मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा, बीसीसीआई मुझे कप्तानी की भूमिका के रूप में देख रही थी, लेकिन मुझे उन्हें ना कहना पड़ा क्योंकि जब कोई कप्तानी कर रहा हो तो यह आदर्श नहीं है कि, कोई 3 टेस्ट मैचों में कमान संभाले और फिर किसी और को बाकी टेस्ट का नेतृत्व करना पड़े. इसलिए यह टीम के लिए सही नहीं है क्योंकि मैं टीम को पहले रखना चाहता था.' बता दें, पिछले कुछ सालों में कमर की चोट ने बुमराह को काफी परेशान किया है.

भारत ने पिछली टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया में खेली थी, तब भी वह दौरे के आखिरी मैच में कमर की चोट के कारण बीच में मैदान छोड़कर चले गए थे. इसके बाद वह चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं खेल सके थे. ऐसे में बुमराह अपने फ्यूचर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, ताकी वह टीम की जीत में अहम भूमिका निभा सकें.

विराट कोहली बोले मुझे क्रिकेट खेलना नहीं आता

> जॉस बटलर का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली.

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में 18 साल के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है. आईपीएल में खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ने विराट कोहली को लेकर एक हैरान कर देने वाली बात बताई है. उन्होंने साल 2023 में आईपीएल मैच के दौरान टीम इंडिया के इस दिग्गज बल्लेबाज से बात की थी, तब विराट ने ऐसा खुलासा किया था, जिसे सुनकर इंग्लिश खिलाड़ी पूरी तरह से चौंक गया था. इंटरनेशनल क्रिकेट में 81 शतक लगा चुके विराट कोहली ने कहा था कि उन्हें क्रिकेट खेलने नहीं आता है. ये खुलासा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जॉस बटलर ने किया है.

जॉस बटलर ने किया बड़ा खुलासा ; इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जॉस बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ अपने नए पॉडकास्ट 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पर बात करते बताया कि कोहली की सलाह ने उन्हें दबाव से निपटने में मदद की थी. बटलर ने बताया कि आईपीएल 2022 में मैंने 863 रन बनाए थे, लेकिन विराट के नाम एक सीजन में सबसे ज्यादा रन (973) बनाने का रिकॉर्ड है, जो कि शानदार है. मुझे अगला सीजन काफी मुश्किल लगा था-जैसे, मैं उस पर खरा कैसे उतरूं? उस समय मैं राजस्थान रॉयल्स की टीम से खेल रहा था और हमारी टीम आरसीबी के साथ ही ट्रेनिंग कर रही थी. इस दौरान मुझे विराट के कुछ सवाल पूछने थे.

विराट ने की बटलर की मदद : बटलर ने आगे बताया कि मैंने सोचा कि मैं विराट से कुछ सवाल पूछूंगा. इस दौरान कोहली ने बस अपनी बल्लेबाजी की थी. इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने बताया कि मैंने विराट से पूछा कि आप अपेक्षाओं को कैसे संभालते हैं. वर्ल्ड क्रिकेट में आप से ज्यादा भला किससे ज्यादा अपेक्षाएं होती होंगी. इस पर विराट ने कहा, "हो सकता है कि आपका सिर्फ वही एक सीजन रहा हो, उसे स्वीकार कीजिए. उसे दोहराने की कोशिश मत कीजिए. ये सब चलता रहेगा. बटलर ने बताया कि इस दौरान विराट कोहली ने ऐसी बात कह दी जिससे मैं चौंक गया. विराट कोहली ने कहा कि कभी-कभी जब मैं बल्ला उठाता हूं तो मुझे लगता है कि मुझे क्रिकेट खेलने ही नहीं आती है. मुझे लगता है कि मैं कुछ नहीं जानता हूं.

आईपीएल 2025 में प्रदर्शन : आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए जॉस बटलर ने 14 मैचों में 59.77 की औसत से 538 रन बनाए हैं. इसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं. वहीं विराट कोहली ने इस सीजन में 15 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 54.75 की औसत से 657 रन बनाए हैं. इसमें 8 अर्धशतक शामिल हैं. जबकि इंटरनेशनल क्रिकेट में विराट कोहली अब तक 81 शतक लगा चुके हैं.

नजमुल हसन शांतो का धमाका

> श्रीलंका के खिलाफ लगाया शानदार शतक

नई दिल्ली.

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) 2025-27 का शानदार आगाज किया है. श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम को संकट से उबारते हुए बड़े स्कोर की अग्रसर किया है. एक समय 45 रन पर तीन विकेट खोकर बांग्लादेश की टीम संघर्ष कर रही थी, लेकिन इसके बाद बांग्लादेशी कप्तान नजमुल हसन शांतो ने विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला बल्कि शानदार शतक ठोककर श्रीलंका को बैकफुट पर धकेल दिया है. बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने 202 गेंदों पर 11 चौकों और 1 छक्का की मदद से अपना शतक पूरा किया. उनका श्रीलंका के खिलाफ ये दूसरा शतक है, जबकि विदेशी धरती पर ये उनकी तीसरी सेंचुरी है.

टीम को संकट से निकाला : श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच मंगलवार 17 जून से गॉल के मैदान में शुरू हुआ. इसी मुकाबले से ही डब्लूटीसी 2025-27 की शुरुआत भी हो चुकी है. बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन कुछ देर के लिए उनका फैसला गलत साबित हुआ लग रहा था, जब उनका पहला विकेट केवल 5 रन के स्कोर पर गिर गया. एक समय बांग्लादेश के तीन विकेट केवल 45 रन के स्कोर पर गिर गए थे. इसके बाद शांतों और विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम ने मोर्चा संभाला और पारी को धीरे-धीरे आगे बढ़ाया.

वैभव सूर्यवंशी की डाइट का खुलासा,

> पिता ने बताया वजन कंट्रोल का प्लान

नई दिल्ली.

वैभव सूर्यवंशी को तो अब आप जानते ही होंगे. बीते कुछ महीनों से सारा इंडिया 14 साल के उसी होनहार क्रिकेटर की बात कर रहा है. फिलहाल वैभव सूर्यवंशी इंग्लैंड में हैं. वो वहां इंडिया अंडर 19 टीम के साथ सीरीज खेलने गए हैं, जिसका आगाज 27 जून से होना है. लेकिन, यहां सवाल उस सीरीज या इंग्लैंड की जमीन पर पहली बार उनके खेलने का नहीं है. बल्कि उनकी उस डाइट का है, जो वो इन दिनों फॉलो कर रहे हैं. वैभव सूर्यवंशी के लेटेस्ट डाइट प्लान का खुलासा उनके पिता ने किया है, जो कि बढ़ते वजन को कंट्रोल करने वाला है.

वैभव अब लिट्टी-चोखा नहीं खाते- संजीव सूर्यवंशी : वैभव सूर्यवंशी खाने में चिकन-मटन के तो शौकीन रहे ही हैं. मगर उसके अलावा उन्हें लिट्टी-चोखा भी बेहद पसंद है. लिट्टी-चोखा वैसे बिहार से ताल्लुक रखने वाले लगभग हर शख्स की पसंद रहता ही है. लेकिन, पिता संजीव सूर्यवंशी की मानें तो वैभव सूर्यवंशी अब लिट्टी चोखा नहीं खाते. वैभव के पिता ने ये बात एक इंटरव्यू में कही है.

वैभव का डाइट प्लान काफी संयमित : संजीव सूर्यवंशी ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी का डाइट प्लान अब काफी नपा-तुला है. वो अब संयमित डाइट लेते हैं, जिसमें लिट्टी-चोखा का स्थान नहीं है. वैभव के पिता ने उनके इस नपे-तुले डाइट प्लान की वजह भी बताई. उन्होंने कहा कि वैभव के वजन के बढ़ने का भी खतरा है. ऐसे में उसे कंट्रोल में रखने के लिए भी संयमित डाइट प्लान फॉलो करना जरूरी है.

वैभव जमाएंगे इंग्लैंड में धाक, देखने के लिए रहें तैयार : वैभव सूर्यवंशी ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ खेले रेड बॉल मैच में शतक लगा चुके हैं. उसके बाद आईपीएल 2025 में उन्होंने डेब्यू किया और फिर 35 गेंदों पर शतक जमाकर सुर्खियां बटोरी. अब उनके सामने इंग्लैंड की चुनौती है, जहां की जमीन पर वो पहली बार खेलते दिखेंगे. उम्मीद यही है कि जैसे वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 या फिर आईपीएल में शोहरत बटोरी है. वैसा ही नाम वो अपने बल्ले से इंग्लैंड में भी कमाते दिखें.

इंग्लैंड सीरीज से बाहर हुए सरफराज खान

>हरभजन सिंह ने जताई नाराज़गी

नई दिल्ली.

इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली पांच मैच की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई शानदार खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. इनमें से कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिन्होंने भारतीय घरेलू क्रिकेट और साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग में भी कमाल का प्रदर्शन किया था और इसी वजह से उन्हें टीम इंडिया में शामिल किया गया है. हालांकि, इस टीम में युवा खिलाड़ी सरफराज खान को जगह नहीं मिली है. सरफराज खान टीम इंडिया के लिए टेस्ट डेब्यू कर चुके हैं. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल खेली गई टेस्ट सीरीज में अपना टेस्ट डेब्यू किया था और धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए सभी फैंस का दिल जीत लिया था. लेकिन अब 5 मैच की टेस्ट सीरीज में उन्हें अपनी छाप छोड़ते हुए देखा नहीं जाएगा. इसी को लेकर भारत के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बड़ा बयान दिया है. हरभजन सिंह के मुताबिक वो खुद ये देखकर हैरान थे कि सरफराज खान को मौका नहीं मिला.

हरभजन सिंह ने दिया बयान : हरभजन सिंह ने कहा की, 'ये बहुत ही खराब बात है. मैं खुद हैरान था, जब उनका नाम टीम में नहीं देखा. मुझे पूरा भरोसा है कि सरफराज जबरदस्त वापसी करेंगे. मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि आप हार ना मानें. आपको आपका हक जरूर मिलेगा. आज नहीं तो कल. आप करूण नायर को भी देख सकते हैं. नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ 300 रन बनाए थे और फिर ज्यादा मौके नहीं मिले. वो टीम के साथ इंग्लैंड में है.'

सरफराज खान के टेस्ट में आंकड़े : सरफराज खान ने अभी तक टीम इंडिया की ओर से सिर्फ 6 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 के औसत से 371 रन बनाए हैं. इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल है. उनका सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 150 रन का है. सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 में 3 मैच में 50 के औसत से 200 रन बनाए थे और उनका सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर 68* रन का था. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारी में तीन अर्धशतक बनाए हैं.

टेक्सस सुपर किंग्स की घातक गेंदबाजी

> सिएटल सिर्फ 60 रन पर ढेर

वाशिंटन.

मेजर लीग क्रिकेट 2025 के 7वें मैच में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड टूटने से बाल-बाल बच गया. लीग के इतिहास में सबसे कम स्कोर का रिकॉर्ड 50 रन का है, जो कि लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ 2023 सीजन में बनाए थे.

एमएलसी 2025 में वो रिकॉर्ड टूटा तो नहीं मगर लीग के इतिहास का दूसरा सबसे कम स्कोर जरूर बन गया. ये स्कोर 60 रन का रहा, जिसे सिएटल ओर्कास ने टेक्सस सुपर किंग्स के खिलाफ बनाते हुए मैच गंवाया.

मुकाबले टेक्सस की कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे सिएटल के बल्लेबाजों की एक नहीं चली और वो 154 रन चेज करने से चूक गए.

सिर्फ 60 रन पर सिमट गई टीम, 93 रन से हारी मैच : मुकाबले में पहले टेक्सस सुपर किंग्स ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 153 रन बनाए थे. जवाब में सिएटल ओर्कास की टीम 13.5 ओवर में सिर्फ 60 रन पर सिमट गई और 93 रन से मुकाबला हार गई. मतलब जितने रन बनाए नहीं, उससे ज्यादा से सिएटल को हार का मुंह देखना पड़ा. ये सिएटल की 2 मैचों में दूसरी हार है तो टेक्सस की 3 मैचों में तीसरी जीत. सिएटल की इस शर्मनाक हालत के पीछे टेक्सस के गेंदबाजों के बरपे कहर का बड़ा योगदान रहा और जिनमें एक नूर अहमद भी रहे.

20 साल के गेंदबाज ने झटके 8 विकेट! : 20 साल के स्पिनर नूर अहमद अब तक 8 विकेट लेकर एमएलसी 2025 में अपनी अलग ही कहानी लिखते दिख रहे हैं. इन 8 विकेटों में 3 विकेट उन्होंने सिएटल ओर्कास के खिलाफ मैच में 4 ओवर में 18 रन देते हुए लिए. इस दौरान उन्होंने 16 गेंदें डॉट फेंकी. मतलब उन पर कोई रन नहीं दिए. इससे पहले लॉस एंजलिस नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 ओवर में 25 रन देकर उन्होंने 4 विकेट झटके थे. जबकि 1 विकेट एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ खेले सीजन के पहले मैच में झटके थे.

बर्गर और जिया-उल-हक का भी कहर : नूर अहमद के अलावा जिया-उल-हक और नाद्रे बर्गर ने भी अच्छी गेंदबाजी की. जिया उल हक ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए. जबकि बर्गर ने तो 3.5 ओवर में सिर्फ 10 रन ही दिए और 3 विकेट ले लिए. जिया-उल-हक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

शुभमन गिल की कप्तानी में पहली अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली.

अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद नव-नियुक्त कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में टीम इंडिया का पहला बड़ा इम्तिहान इंग्लैंड दौरे पर होने वाला है। भारतीय टीम यहां इंग्लैंड से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसका आगाज 20 जून से होना है। इस दौरे को सफल बनाने के लिए जहां भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है, वहीं मेजबान इंग्लैंड मेहमानों की कमजोरियों पर नजर गड़ाए हुए है। इसी कड़ी में आईसीसी के एक शो में चर्चा करते हुए पूर्व भारतीय कोच और कमेंटेटर रवि शास्त्री इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग-11 का चयन किया है।

चार तेज गेंदबाजों की दी जगह : रवि शास्त्री ने शुक्रवार (20 जून) से लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए अपनी चुनी गई भारतीय प्लेइंग-11 में कुलदीप यादव को शामिल नहीं किया है। साथ ही अर्शदीप सिंह को भी टेस्ट कैप पहनने का मौका नहीं दिया है। रवि शास्त्री ने भारतीय प्लेइंग-11 में 4 तेज गेंदबाजों की वकालत की। उन्होंने ऑलराउंडर और चौथे तेज गेंदबाज के स्थान के लिए नीतीश कुमार रेड्डी की जगह शार्दुल ठाकुर को चुना। उन्होंने जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को अपने फ्रंटलाइन तेज गेंदबाजों के रूप में चुना, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के मुताबिक, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप की जगह प्रसिद्ध कृष्णा का चयन किया।

यशस्वी और केएल राहुल ओपनर : जहां तब बल्लेबाजी क्रम का सवाल है तो रवि शास्त्री ओपनिंग जोड़ी के तौर पर यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को चुना। उन्होंने कप्तान गिल की बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की बात कही और उन्हें चौथे नंबर पर जगह दी। रवि शास्त्री ने तीसरे नंबर के लिए साई सुदर्शन का चयन मुनासिब समझा। 23 वर्षीय इस खिलाड़ी का अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं हुआ है। घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार खड़ा करने वाले और 8 साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को रवि शास्त्री ने 5वें नंबर पर जगह दी है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत को छठे नंबर पर रखा है। वहीं रवींद्र जडेजा को 7वें नंबर पर चुना है और वह रवि शास्त्री की चयनित भारतीय प्लेइंग-11 में शामिल किए गये एक मात्र स्पिनर है।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए रवि शास्त्री की भारतीय प्लेइंग-11 : यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेट-कीपर), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज.

सोफी डिवाइन वनडे से लेंगी विदाई

> वर्ल्ड कप 2025 के बाद कहेंगी अलविदा

वेलिंगटन.

2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले लेने वाले प्लेयर्स की लिस्ट अब काफी लंबी होती नजर आ रही है।

रोहित शर्मा, विराट कोहली, निकोलस पूरन, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, हेनरिच क्लासेन, मुशफिकुर रहीम और श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज ने अलग-अलग फॉर्मेट में रिटायरमेंट लेकर सबकों चौंकाया है। इसी बीच न्यूजीलैंड की एक दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन ने भी वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा कर दी है।

उन्होंने बताया कि वह इस साल के अंत में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले जाने वाले आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 के समापन के बाद वह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने की संन्यास की पुष्टि ; 35 वर्षीय सोफी डिवाइन को अपनी पीढ़ी की सबसे बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने मंगलवार को उनके संन्यास की पुष्टि की। लगभग दो दशकों से न्यूजीलैंड क्रिकेट का चेहरा रही डिवाइन ने इस साल की शुरुआत में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ब्रेक लिया था और आरसीबी के साथ 2025 महिला प्रीमियर लीग के पूरे सत्र में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप 2024 की जीत के बाद उन्होंने सबसे छोटे फॉर्मेट में न्यूजीलैंड की अगुआई करने से भी दूरी बना ली थी।

जानें क्या कहा सोफी डिवाइन ने? : डिवाइन ने वनडे इंटरनेशनल से संन्यास के फैसले पर कहा कि मुझे लगता है कि मेरे लिए अलग होने का सही समय आ गया है। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं कि मुझे एनजेडसी का सपोर्ट मिला है, जिससे मैं एक समाधान ढूंढ पा रही हूं।

यह ज़रूरी है कि हर कोई यह जान ले कि मैं अलग होने से पहले इस ग्रुप को अपना सब कुछ देने के लिए समर्पित हूं।

मैं इस युवा समूह की प्रगति से बहुत उत्साहित हूं और मैं अगले छह से नौ महीनों में अपनी भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हूं।

सोफी ने बतौर टेलएंडर की थी बल्लेबाजी की शुरुआत : बता दें सोफी डिवाइन ने अपने करियर में बतौर टेलएंडर अपनी शुरुआत की थी। इसके बाद वह दुनिया की सबसे विध्वंसक शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों में से एक बन गईं। 152 वनडे में उन्होंने 3990 रन बनाए हैं, जो न्यूजीलैंड के लिए चौथे सबसे अधिक रन हैं। इसमें आठ शतक और 16 अर्धशतक शामिल हैं।

गेंद के साथ उन्होंने 107 विकेट लिए हैं, जो किवी महिलाओं में ली ताहुहू के बाद दूसरे स्थान पर है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कही ये बात : न्यूजीलैंड क्रिकेट महिला हाई परफॉरमेंस की प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा कि सोफी ने व्हाइट फर्न्स को लगभग 20 साल सेवा दी है। हम अपने करियर के इस चरण में अधिक संतुलन पाने की उनकी खोज का पूरा समर्थन करते हैं।

हम एक समझौते पर पहुंचने में सक्षम होने से प्रसन्न हैं, जिसका अर्थ है कि वह केस-दर-केस आधार पर व्हाइट फर्न्स के साथ जुड़ी रह सकती है, जबकि किसी अन्य खिलाड़ी के लिए पूर्ण अनुबंध का अवसर खुल रहा है।

आर्मंड डुप्लांतिस ने 12वीं बार तोड़ा विश्व रिकॉर्ड

>6.28 मीटर की छलांग

स्टॉकहोल्म.

पोल वॉल्ट के किंग और दो बार के ओलंपिक चैंपियन स्वीडन के आर्मंड डुप्लांतिस ने एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मोंडो के नाम से पहचाने जाने वाले डुप्लांतिस ने 12वीं बार अपना ही विश्व रिकॉर्ड सुधारा। उन्होंने स्वीडन के स्टाकहोम में आयोजित डायमंड लीग मीट में पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में 6.28 मीटर की ऊंचाई पार की। जैसे ही डुप्लांतिस ने यह मार्क पार किया वे खुशी से झूम उठे। 25 साल के इस युवा एथलीट ने पिछले छह सालों में 12 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है।

मां के देश का करते हैं प्रतिनिधित्व : डुप्लांतिस का जन्म अमेरिका में हुआ था, लेकिन वे अपनी मां के मूल देश स्वीडन का प्रतिनिधित्व करते हैं। डुप्लांतिस ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने पहली बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। जीत दर्ज करने के बाद इस स्टार एथलीट ने कहा, मैं पूरी तरह से संतुष्ट महसूस कर रहा हूं। स्टाकहोम में विश्व रिकॉर्ड तोड़ना अलग ही एहसास है।

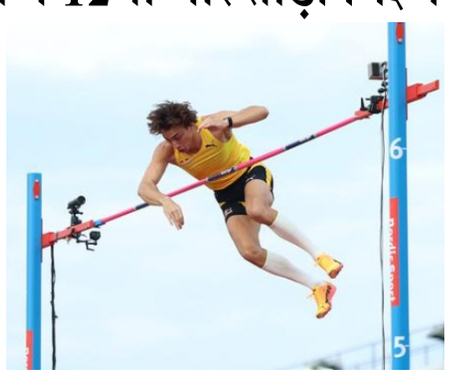

मुझे लग रहा है कि मेरे कॅरियर में बस इसी की कमी थी।

11 साल की उम्र में इस स्टेडियम में लगाई थी पहली छलांग : डुप्लांतिस ने अपना लक्ष्य हासिल करने के बाद कहा, पुरानी यादें ताजा हो गईं। पहली बार जब मैंने इस स्टेडियम में छलांग लगाई थी तो मेरी उम्र 11 वर्ष थी। उस दिन बारिश हो रही थी और काफी ठंडा मौसम था। मैं चार मीटर से भी कम छलांग लगा पाया था। मेरी उम्र के हिसाब से यह काफी ऊंची छलांग थी। इस स्टेडियम अब मेरा नाम भी लिखा जाएगा।

स्मृति मंधाना बनीं वनडे रैंकिंग में नंबर-1,

> 2019 के बाद बड़ी वापसी

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा महिला रैंकिंग के मुताबिक, स्टार भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना नवंबर 2019 के बाद पहली बार महिलाओं की वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है।

28 वर्षीय खिलाड़ी के एक स्थान में सुधार के साथ शीर्ष पर काबिज होने का मतलब है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे में 27 और 28 रन की पारी खेलने वाली दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। अब वह इंग्लैंड की नई कप्तान नैट साइवर-ब्रंट के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं।

स्मृति मंधाना के अब 727 रेटिंग पॉइंट हैं, उन्होंने वोल्वार्ड्ट के छह महीने से ज्यादा समय से शीर्ष पर बने रहने का सिलसिला खत्म किया है। भारत की स्टार बल्लेबाज पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीक के खिलाफ भारत की हाल ही में ट्राई सीरीज के फाइनल के दौरान अपने करियर का 11वां शतक लगाया।वोल्वाड्ट की टीम की साथी टैज़मिन ब्रिट्स तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में अपने अर्द्धशतक की बदौलत पांच स्थान आगे बढ़कर 27वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

वेस्टइंडीज की जोड़ी शेमाइन कैम्पबेले (सात स्थान ऊपर 62वें स्थान पर) और कियाना जोसेफ (12 स्थान ऊपर 67वें स्थान पर) ने भी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग बढ़त हासिल की है। वहीं पूर्व प्रोटियाज कप्तान सुने लुस ने दूसरे मैच में 76 रन बनाए और बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गईं, वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग वह में 7 पायदान ऊपर चढ़कर 42वें स्थान पर पहुंच गईं।

इस बीच, वेस्टइंडीज की ओपनर कियाना जोसेफ 12 पायदान चढ़कर वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त 67वें स्थान पर पहुंच गईं। गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज की स्पिनर एफी फ्लेचर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

उन्होंने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वेस्टइंडीज के मैच में चार विकेट लिए थे और चार पायदान ऊपर उठकर वनडे गेंदबाजों की सूची में 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इस सूची में अभी भी इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन शीर्ष पर हैं।

बुनकरों की आर्थिक स्थिति हो रही खराब

> सरकार इनके लिए बनाए योजना- अखिलेश यादव

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में बुनकरों की बड़ी समस्या है.

उनकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है. साथ ही यहां किसानों के गेहूं की खरीद तक नहीं हो रही है. मुख्यमंत्री फसलों को देखने के लिए हवाई यात्रा कर रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में दूग्ध उत्पादन नहीं हो रहा है और सरकार भी इसकी मदद बंद कर रही है. सरकार काउ मिल्क प्लांट

भी बंद कर चुकी है. बुनकरों की समस्या का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा कि बुनकर कारीगरों के लिए आर्थिक समस्या बनी हुई है.

कम आय होने की वजह से जीवन स्तर में गिरावट आ रही है. इस कारण लोग अपने भविष्य की योजना तक नहीं बना पा रहे हैं. बिचौलियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है.उन्होंने कहा कि बुनकरों की कमाई का बड़ा हिस्सा बिचौलियों के पास चला जाता है. उनके पास काम करने के लिए पूंजी नहीं बचती है. हालत यह हो गई है कि बुनकरों के लिए बनाए कपड़ों के लिए अब कोई खरीददार नहीं मिलता है.

अखिलेश ने राज्य सरकार से अलग से योजना चलाने की मांग करते हुए कहा कि इन लोगों की आर्थिक समस्या का समाधान करने के लिए सरकार को अलग तरह योजनाएं चलानी पड़ेगी.

उनका कहना है कि लंबे समय तक एक ही पोजिशन में काम करने से बुनकरों को काफी समस्या हो जाती है. बुनकरों को अस्थमा बोनकैटिस जैसी बीमारी का सामना करना पड़ता है.

डबल इंजन की सरकार के डिब्बे टकरा रहेः अखिलेश

प्रदेश में बिजली की बढ़ती कीमतों पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में बिजली मंहगी करने की तैयारी चल रही है. प्रदेश में पहले से ही मंहगाई बढ़ रही है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर संकट आया तो हम लोग मोबाइल कैसे चार्ज करेंगे. प्रदेश सरकार के अंदर जारी टशन को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार के डिब्बे टकरा रहे हैं. कौशांबी में दोनों डिप्टी सीएम माहौल खराब कर रहे हैं.

3 दिन से भर्ती हैं सोनिया गांधी

नई दिल्ली.

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पिछले 2 दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं जहां उनका इलाज चल रहा है. सोनिया को रविवार देर शाम दिल्ली के प्रतिष्ठित सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था. अस्पताल की ओर से मंगलवार को जारी हेल्थ अपडेट के मुताबिक सोनिया की तबीयत स्थिर है. उनको पेट संबंधी समस्या है. अस्पताल की ओर से मंगलवार दोपहर एक बजे जारी बयान में बताया गया कि सोनिया गांधी (78) को उपचार का लाभ हो रहा है, लेकिन उनके अस्पताल से डिस्चार्ज किए जाने को लेकर अभी कुछ तय नहीं किया गया है. अस्पताल के अनुसार, सोनिया को 15 जून (रविवार) को पेट से संबंधित समस्या को देखते हुए सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, अभी वो निगरानी प्रक्रिया में हैं.

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के हेल्थ अपडेट को लेकर सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉक्टर अजय स्वरूप ने बताया, "सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और इलाज के दौरान वह अच्छा कर रही हैं. वह पेट के संक्रमण से उबर रही हैं. साथ ही उनके खान-पान पर बारीकी से नजर भी रखी जा रही है और वे निगरानी में हैं. उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर, उनकी अस्पताल से छुट्टी की तारीख अभी तय नहीं की गई है. हमारी डॉक्टरों की एक टीम, डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव, उनके स्वास्थ्य और खान-पान पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं.

सोनिया ने इससे पहले 9 जून को इसी अस्पताल में मेडिकल जांच कराई थी. जबकि इससे 2 दिन पहले हिमाचल प्रदेश में उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई थी. फिर उन्होंने हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत के बाद शिमला में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में कुछ जांच कराई थीं. कांग्रेस की वरिष्ठ नेता तब अपनी निजी यात्रा के तहत हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में थीं.

शव पर गिरा 100 साल पुराना पेड़

>श्मशान घाट में मची चीख-पुकार

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक महिला के शव के ऊपर 100 साल पुराना पेड़ गिर पड़ा. ये घटना उस समय हुई, जब महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया गया था. श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थीं और शव रखा हुआ था कि तभी वहां खड़ा एक बड़ा पेड़ महिला के शव पर भर भराकर गिर पड़ा, जिसके बाद श्मशान घाट पर लोगों में अफरा-तफरी और चीख पुकार मच गई. मृतक महिला का नाम नीलू कनौजिया था, जो वन विभाग की कर्मचारी थीं. उनकी मौत दो मंजिला इमारत से गिरकर हुई थी. महिला के भाई ने मामले पर

जानकारी देते हुए बताया कि उनकी बहन नीलू वन विभाग कर्मचारी थीं. रविवार को वह दो मंजिला इमारत से नीचे गिर गई थीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था. इसके बाद महिला के शव का पोस्टमार्टम हुआ और फिर महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए लखनऊ के भैसा कुंड श्मशान घाट (बैकुंठ धाम) ले जाया गया, जहां ये घटना घटी, श्मशान घाट में नीलू का शव प्लेटफॉर्म पर रखा था. तभी वहां पास में खड़ा एक बड़ा पेड़ तेज आवाज के साथ शव के ऊपर गिर गया. जैसे ही पेड़ गिरा मौके पर हड़कंप मच गया. शव के आसपास खड़े लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई.

पेड़ को काटकर महिला के शव को 5 घंटे बाद पेड़ के नीचे से निकाला गया. नगर निगम कर्मचारी जावेद ने मामले को लेकर बताया कि पेड़ गिरने की वजह से बाउंड्री वॉल टूटकर गिर गई है. मामले की जानकारी अधिकारियों को दे दी गई है.

प्रदीप मिश्रा को फिर से क्यों मांगनी पड़ी माफी!

नई दिल्ली.

इंटरनेशनल कथावाचक और कुबेरश्वर धाम के मुख्य पंडित प्रदीप मिश्रा भी अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। उन्होंने ने हाल ही में भगवान चित्रगुप्त पर एक बयान दे दिया था। जिस पर कायस्थ समाज के लोगों ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद सीहोर वाले प्रदीप मिश्रा को माफी मांगनी पड़ी।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि ऐसा नहीं है कि किसी समाज या किसी अन्य व्यक्ति को कोई बात कही गई हो। देवताओं का क्रम था। शिव महापुराण की कथा महाराष्ट्र में चल रही थी। जो सोशल मीडिया पर चल रही है। उसमें यमराज और चित्रगुप्त और भगवान शिव की भक्ति का प्रसंग चल रहा था। उसमें भी यदि किसी व्यक्ति विशेष को समाज को ऐसा लगा हो कि हम ऐसी वाणी बोल गए हो मैं क्षमा चाहता हूं। किसी के हृदय को ठेस पहुंचाना कभी शिवमहापुराण नहीं कहती। शिवमहापुराण हमेशा का जगत का कल्याण का कार्य करती है और जगत कल्याण की बात करती है। फिर भी मेरी वाणी से या शिवमहापुराण के शब्द से किसी भी समाज को किसी भी वर्ण को किसी व्यक्ति को ठेस पहुंची है तो क्षमा चाहता हूं।

आगे मिश्रा ने कहा देखिए एक वक्ता है। वक्ता अगर अपनी व्यास सीट से कोई बात कह रहा है तो वह उसके अंदर की बात भी सामने प्रस्तुत करता है कि उसके अंदर के भाव को क्या हैं। परंतु कोई किसी के हृदय को ठेस पहुंचाना या किसी को गलत कहना ये किसी वक्त के लिए नहीं है। या किसी के व्यासपीठ के लिए नहीं है। कायस्थ समाज भी हमारी है। हम तो चारों वर्णों को अपना मानकर चलते हैं। ब्राह्मण हो, क्षत्रिय हो, शुद्र हो। किसी की समाज के लिए आजतक ने व्यासपीठ ने कभी गलत नहीं कहा। चाहे पूर्व की व्याख्यन उठाकर देखेंगे तो सभी समाजों का सम्मान किया है व्यासपीठ ने। अगर फिर भी किसी समाज को हमारी वाणी से ठेस पहुंची है तो क्षमा चाहता हूं।

बदमाशों ने युवती को माता-पिता के सामने ही मारी गोली

भोपाल.

मध्यप्रदेश के मुरैना में बेखौफ बदमाशों ने एक 19 साल की युवती की उसके माता-पिता के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवती बाइक से अपने माता-पिता के साथ घर वापस आ रही थी तभी बदमाशों ने रास्ता रोककर उसके सिर में तीन गोलियां मार दीं। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

19 साल की युवती मलिश्का कड़ेरा अपने माता-पिता के साथ सोमवार रात करीब 9.30 बजे बाइक से अपने मामा के घर बालेरा गांव से लौटकर अपने घर आ रही थी। तभी जौरा के बदरपुरा चौराहे पर चार बदमाशों ने उनका रास्ता रोका और मलिश्का की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने मलिश्का के सिर में 4 गोलियां मारी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक युवती ने हमलावरों को पहचान लिया था और उसने जैसे ही कहा कि मैंने इन्हें पहचान लिया है तो हमलावरों ने गोलियां बरसा दीं।

मलिश्का के परिजन के मुताबिक जमीन विवाद में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मलिश्का के परिजन ने गाव के ही रहने वाले भीकम से 6 बीघा जमीन खरीदी थी। जमीन का सौदा 6 लाख रूपये में हुआ था लेकिन इसके बाद से रजिस्ट्री को लेकर उनके व भीकम के परिवार में विवाद चल रहा था। इसी विवाद में भीकम के बेटे ने मलिश्का की हत्या की है, वारदात में भीकम के बेटे के साथ उसके दोस्त सौरभ और गौरव भी शामिल थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

ग्वालियर में ट्रेंड होंगे साइबर कमांडो

भोपाल.

साइबर अपराधों पर लगाम कसने के लिए अब ग्वालियर में साइबर कमांडो तैयार होंगे। केंद्र सरकार ने इसकी तैयारियां शुरू की हैं। कमांडो को ट्रेंड करने के लिए संस्थान ढूंढा जा रहा है। इसलिए इंडियन साइबर क्राइम कार्डिनेशन सेंटर (आइसीसीसीसी) की टीम ग्वालियर आई है। दल ने सोमवार को अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान (एबीवी-ट्रिपल आइटीएम) का दौरा कर जायजा लिया। अब टीम की रिपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्रालय कमांडो ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने का फैसला लेगा। प्रदेश में ग्वालियर कमांडो को ट्रेनिंग देने वाला जिला बनेगा।

साइबर अपराध जिस तेजी से बढ़ रहे हैं उन पर काबू के लिए केंद्र सरकार साइबर कमांडो तैयार कर रही है। इसलिए हर प्रदेश में साइबर कमांडो तैयार करने की योजना है। इसी कड़ी में ग्वालियर को भी चुना गया है। यहां भी साइबर कमांडो की नई खेप तैयार की जाएगी। कमांडो को प्रशिक्षित करने के लिए एबीवी, ट्रिपल आइटीएम को परखा जा रहा है सोमवार को आइसीसीसीसी की टीम ने डायरेक्टर कर्नल अरविंद कुमार की अगुवाई में ट्रिपल आइटीएम में आकर यहां आइटी विशेषज्ञों से बात की और कॉलेज में कमांडो ट्रेनिंग के लिए जरूरी संसाधनों को परखा। टीम मंगलवार को वापस दिल्ली रवाना होकर रिपोर्ट पेश करेगी। कमांडो की ट्रेनिंग सेंटर शुरू होने से इसमें 30 से 40 कमांडो को प्रशिक्षित करने की योजना है। ट्रिपल आइटीएम को इस लिहाज से सबसे बेहतर संस्थान माना भी जा रहा है, लेकिन इस बारे में केंद्र सरकार के फैसले का इंतजार है।

फ्रांस और इजराइल में फिर बवाल

तेहरान.

ईरान जंग 24 घंटे में ही इजराइल को लेकर फ्रांस ने यूटर्न ले लिया है. रविवार (15 जून) को इजराइल के अटैक को जहां फ्रांस ने सही ठहराया था. वहीं एक दिन बाद यानी 16 जून को फ्रांस ने इजराइल को बड़ा झटका दे दिया. इजराइल को यह झटका पेरिस के एयर शो में फ्रांस ने दिया है.रॉयटर्स के मुताबिक फ्रांस ने पेरिस एयर शो में उन हथियारों की प्रदर्शनी पर रोक लगा दी है, जिसका इस्तेमाल गाजा युद्ध में किया गया था. इजराइल फ्रांस के इस फैसले से नाराज है.

रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस के एयर शो में इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज, राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स, एल्बिट सिस्टम्स, यूविजन और एरोनॉटिक्स के जरिए इजराइल शक्ति प्रदर्शन कर रहा था.इन कंपनियों ने उन हथियारों को सामने रखा था, जिसे गाजा में हमास को बर्बाद करने में इस्तेमाल किया गया था. कहा जा रहा है कि हथियारों के प्रदर्शनी को देखते हुए अचानक फ्रांस के अधिकारी एक्टिव हो गए. फ्रांस के अधिकारियों ने पहले हथियार के स्टैंड को ब्लैक दीवार से कवर कराया और फिर गाजा वाले हथियार को हटाने के लिए कहा. जिन हथियारों को ब्लॉक किया गया, उनमें हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार के साथ-साथ एल्बिट और ब्लूबर्ड एयरो सिस्टम्स शामिल हैं. इजराइल से इस फैसले को यहूदी विरोधी बताया है. इजराइल का कहना है कि पहले जब इसको लेकर परमिशन दिया गया था, तब अचानक फ्रांस ने ऐसा क्यों किया? यह समझ से परे है.

सीएम रेखा गुप्ता सिख समाज से माफी मांगें

> करतारपुर साहिब का अपमान करने का आरोप

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता पर करतारपुर साहिब का अपमान करने का आरोप लगाया है. आप के वरिष्ठ नेता और विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि लुधियाना पश्चिम सीट पर हो रहे उपचुनाव में चुनाव प्रचार करने के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने करतारपुर साहिब को जिस तरह से संबोधित किया, उससे सिख समाज को गहरी ठेस पहुंची है.

उन्होंने कहा कि सिख समाज

उनसे माफी की मांग करता है. उन्होंने इस संबंध में दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से भी आग्रह किया है.

आप विधायक जरनैल सिंह ने विधायक पुरनदीप साहनी के साथ पत्रकारों के साथ वार्ता के दौरान सीएम रेखा गुप्ता के चुनाव प्रचार का एक वीडियो क्लिप दिखाया और कहा कि इसमें रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में जिस शब्दावली का उपयोग किया, उसमें साफ-साफ अपमान झलकता है. इस शब्दावली से सिख समाज और गुरु नानक साहिब में श्रद्धा रखने वाले सभी लोगों के दिलों को गहरी ठेस पहुंची है.

जरनैल सिंह ने कहा कि इस पवित्र स्थल का सिखों के दिल में बहुत बड़ा रुतबा है. यदि यह मान भी लिया जाए कि रेखा गुप्ता को सिख इतिहास, सिख धार्मिक स्थलों या पंजाब के बारे में जानकारी नहीं है, तो भी वह लंबे समय से दिल्ली में रह रही हैं. दिल्ली में बच्चा-बच्चा जानता है कि सिखों के ऐतिहासिक गुरुद्वारों को किस तरह संबोधित किया जाता है.

जरनैल सिंह ने कहा कि बंगला साहिब को गुरुद्वारा बंगला साहिब, सीसगंज साहिब को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब और रकाबगंज साहिब को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब कहा जाता है.

जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा में कई सिख नेता हैं और यह सवाल उठता है कि क्या उन पर राजनीति इतनी हावी हो चुकी है कि वे अपनी नेता को माफी मांगने का आग्रह भी नहीं कर सकते. सिख समाज का दिल बहुत बड़ा है और उनके पास माफी देने का जिगरा है. यदि रेखा गुप्ता माफी मांगेंगी

धैर्य, समावेश और संस्कृति की सीख

> पुडुचेरी यूनिवर्सिटी में बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

चेन्नई.

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सनातन गर्व फिर से पुनर्निर्मित हो रहा है. मंगलवार को पुडुचेरी विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि जो खो गया था, उसे अब और भी मजबूत संकल्प के साथ फिर से बनाया जा रहा है.

इसके साथ-साथ उन्होंने राजनीतिक दलों को सलाह देते हुए कहा कि पार्टियों को राजनीति का तापमान कम करना चाहिए. भाषाओं के आधार पर हम कैसे बंट सकते हैं? हमारी भाषाएं समावेशिता की प्रतीक हैं. उन्होंने कहा कि भारत की शैक्षणिक भूगोल और इतिहास,

तक्षशिला, नालंदा, मिथिला, वल्लभी जैसे महान शिक्षा केंद्रों से सजे हुए थे.

उस कालखंड में इन संस्थानों ने दुनिया के सामने भारत को परिभाषित किया. दुनिया भर के विद्वान यहां ज्ञान साझा करने और भारतीय दर्शन को समझने आते थे.

एक छोटा प्रयास बड़ी उपलब्धि बन सकता है

माननीय कुलपति, शुरुआत कीजिए. इस विश्वविद्यालय के हर पूर्व छात्र से अपील करें कि वे इसमें योगदान दें. बच्चों, राशि का आकार महत्वपूर्ण नहीं है. भावना महत्वपूर्ण है. वर्षों में इसका प्रभाव आप देखेंगे न केवल फंड बढ़ेगा, बल्कि पूर्व छात्रों में अपने संस्थान के प्रति लगाव भी गहराएगा. यह एक छोटा कदम हो सकता है, लेकिन जैसे नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा पर कदम रखते हुए कहा था. यह एक छोटा कदम है, पर मानवता के लिए एक विशाल छलांग. वैसे ही यह एक छोटा प्रयास बड़ी उपलब्धि बन सकता है.

परंतु, कुछ तो गलत हुआ. नालंदा की नौ मंजिला पुस्तकालय के बारे में सोचिए, 1300 साल पहले धर्मगंज नामक वह पुस्तकालय खगोलशास्त्र, गणित और दर्शनशास्त्र के समृद्ध ग्रंथों से भरा था. दो चरणों की आक्रमण लहरों में पहले इस्लामी आक्रमण और फिर ब्रिटिश उपनिवेशवाद भारत की ज्ञान परंपरा को गहरी चोट पहुंची.

उपराष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 1190 के आसपास बख्तियार खिलजी ने अमानवीयता और बर्बरता का प्रदर्शन किया.